राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

@swatantraprabhatmedia @swatantramedia RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) @SwatantraPrabhatonline news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, शुक्रवार, 11 जुलाई 2025

वर्ष 14, अंक 92, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

मजदूर का गांव के किनारे संदिग्ध अवस्था में शव मिलने से मचा हड़कंप...03

एक ही कमरे में फंदे पर लटके मिले दंपति के शव...04

1500 से ज्यादा महिलाओं का ब्रेनवॉश - छांगुर बाबा निकला धर्मांतरण गैंग का मास्टरमाइंड

●ज्जस ने किया बड़ी साजिश का खुलासा

स्वतंत्र प्रभात

उत्तर प्रदेश के बलरामपुर से गिरफ्तार किए गए छांगुर बाबा की असली तस्वीर अब सामने आ रही है। जो बाबा खुद को चमत्कारी बताता था, वह अब धर्मांतरण के एक बड़े नेटवर्क का मास्टरमाइंड निकला है। एटीएस (एंटी टेररिज्म स्क्वाड) की जांच में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं।

महिलाओं को बनाता था निशाना

सूत्रों के मुताबिक, छांगुर बाबा ने करीब 1,500 महिलाओं और लड़कियों का जबरन धर्मांतरण कराया है। ये महिलाएं आमतौर पर निसंतान, विधवा, परित्यक्ता या मानसिक रूप से कमजोर थीं। बाबा उन्हें पहले आश्रय और इलाज का झांसा देता था, फिर धीरे-धीरे उनका ब्रेनवॉश करता था। आखिरकार, उन्हें इस्लाम धर्म अपनाने को मजबूर करता था।

संगठित गिरोह और विदेशी फंडिंग

छांगुर बाबा सिर्फ अकेला नहीं था, उसके साथ नीतू रोहरा उर्फ नसरीन भी शामिल थी, जिसे एटीएस ने बाबा के साथ गिरफ्तार किया है। दोनों को 7 दिन की रिमांड पर एटीएस को सौंपा गया है। जांच एजेंसियां इस पूरे नेटवर्क के अंतरराष्ट्रीय कनेक्शन की परतें खोलने में लगी हैं। बताया जा रहा है कि छांगुर भारत-नेपाल सीमा पर ÷दावा केंद्र÷ (धर्म परिवर्तन केंद्र) खोलने की तैयारी में था। दुबई से विदेशी फंडिंग भी आनी शुरू हो गई थी। दो साल पहले उसके रिश्तेदारों के खिलाफ भी धर्मांतरण के केस दर्ज किए जा चुके हैं।

बाबा की कोठी से मिले विदेशी सामान

बलरामपुर की कोठी में एटीएस ने जब छापेमारी की तो वहां से दुबई से मंगाए गए सामान मिले। इनमें विदेशी इत्र, डिटर्जेंट, स्पेनिश तेल, खाने-पीने की चीजें और दवाइयां शामिल थीं। ये सभी चीजें उर्दू भाषा में पैक की गई थीं, जिससे साफ है कि विदेशी

नेटवर्क से उसका गहरा नाता था।

कोठी में बना था गुप्त कंट्रोल रूम

बाबा की कोठी में सीसीटीवी से निगरानी के लिए एक गुप्त कंट्रोल रूम भी बना हुआ था। उसका बेडरूम एक ऑपरेशन रूम की तरह था, जहां आने वाले हर व्यक्ति की रिकॉर्डिंग होती थी। यहां से कुछ बेहद संवेदनशील दस्तावेज भी बरामद हुए हैं।

मुंबई और दुबई तक फैला नेटवर्क

छांगुर बाबा का नेटवर्क सिर्फ उत्तर प्रदेश में नहीं, बल्कि मुंबई और दुबई तक फैला हुआ था। शुरुआती जांच में सामने आया है कि नवीन वोहरा और नीतू रोहरा उसके पहले शिकार थे। इनकी मदद से उसने धर्मांतरण का नेटवर्क फैलाना शुरू किया। मोहम्मद अहमद खान नाम का शख्स उसके पैसों की देखरेख करता था।

गिरफ्तारी और पुराना क्रिमिनल रिकॉर्ड

बाबा और नसरीन को एटीएस ने शनिवार को बलरामपुर के मधपुर गांव से गिरफ्तार किया था। छांगुर पर पहले से गैर-जमानती वारंट जारी था और उस पर 50,000 का इनाम भी था। इससे पहले 8 अप्रैल को 2 अन्य आरोपी जमालुद्दीन और जलालुद्दीन के बेटे महबूब को भी गिरफ्तार किया गया था।

CM योगी का बयान

आजमगढ़ में एक जनसभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने छांगुर बाबा को "जल्लाद" कहा। उन्होंने कहा कि "ऐसे समाजविरोधी और राष्ट्रविरोधी लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। हिंदू बहन-बेटियों की इज्जत के साथ खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।"

छात्राओं से कपड़े उतरवाने की घटना पर भड़के फडणवीस, अधिकारियों को दी कड़ी कार्रवाई की चेतावनी

स्वतंत्र प्रभात

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने एक स्कूल में छात्राओं के मासिक धर्म की जांच के लिए कथित तौर पर उनके कपड़े उतरवाने के मामले में जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। मंत्री गिरीश महाजन ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। मंत्री ने विधानसभा को बताया कि मुख्यमंत्री ने ठाणे जिले के एक निजी स्कूल में हुई इस घटना की जांच के आदेश दिए हैं। महाजन ने कहा कि दोषी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। कांग्रेस के नाना पटोले ने निचले सदन में यह मामला उठाया और चिंता व्यक्त की कि महाराष्ट्र जैसे प्रगतिशील राज्य में भी ऐसी घटना हो सकती है।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) (राकांपा-एसपी) के जितेंद्र आव्हाड ने कहा कि मामले में शामिल स्कूल की प्रधानाचार्य स्वयं एक महिला हैं। पुलिस ने लड़कियों के कथित तौर पर कपड़े उतरवाने के मामले में प्रधानाचार्य और एक अन्य कर्मचारी को गिरफ्तार कर लिया है। महाजन ने सदन को आश्वासन दिया कि घटना की जांच की जाएगी और कड़ी कार्रवाई की जाएगी। हालांकि उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पुलिस मामले में पहले ही कार्रवाई कर चुकी है। कांग्रेस विधायक ज्योति गायकवाड़ ने भी मांग की कि दोषियों को बख्शा नहीं जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि स्कूलों में सैनिटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन और पानी जैसी सुविधाएं जरूरी हैं। पुलिस ने बताया कि महाराष्ट्र में ठाणे जिले के शाहपुर इलाके में स्थित स्कूल के शौचालय में खून के धब्बे देखे जाने के बाद यह पता लगाने के लिए छात्राओं के कपड़े उतरवाए गए कि उन्हें मासिक धर्म हो रहा है या नहीं। इस घटना से लड़कियों के अभिभावकों में आक्रोश फैल गया और उन्होंने बुधवार को स्कूल परिसर में विरोध प्रदर्शन किया तथा घटना में शामिल प्रबंधन और शिक्षकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। शाहपुर थाने के एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने बुधवार रात को स्कूल की प्रधानाचार्य और एक महिला परिचारिका को गिरफ्तार किया।

उन पर आरोप है कि उन्होंने यह पता लगाने के लिए कक्षा पांच से 10 तक की लड़कियों के कपड़े उतरवाकर जांच की कि उन्हें मासिक धर्म हो रहा है या नहीं। उन्होंने बताया कि आठ लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 74 (महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने के इरादे से उस पर हमला या आपराधिक बल का प्रयोग) और धारा 76 (महिला के कपड़े उतरवाने के इरादे से उस पर हमला या आपराधिक बल का प्रयोग) तथा यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है।

संक्षिप्त ख़बरें

दुखद घटना: पानी के गड्ढे में डूबने से चार भाई-बहनों की मौत, गांव में पसरा मातम

राजस्थान के जैसलमेर जिले में एक दुखद घटना में दो भाइयों और दो बहनों की पानी से भरे एक गड्ढे में डूबने से मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। उसने बताया कि यह घटना पोकरण उपखंड के नई मंगोलाई गांव में हुई। पुलिस का कहना है कि बच्चे खेलते समय बारिश के पानी से भरे एक गड्ढे में गिर गए। यह गड्ढा पहले मिट्टी निकालने के लिए खोदा गया था। मृतकों की पहचान अहमद (12), रिजवान (10), मोहम्मद (3) और शहनाज (8) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार खेलने के बाद जब बच्चे देर तक घर नहीं लौटे, तो परिवार के सदस्यों और ग्रामीणों ने उनकी तलाश शुरू की और पाया कि वे गड्ढे में गिर गए थे। पुलिस ने बताया कि ग्रामीणों ने तुरंत उन्हें बाहर निकाला और पोकरण के सरकारी अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मायावती ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को दी जन्मदिन की बधाई, दीर्घायु जीवन की कामना की

लखनऊ- देश के रक्षा मंत्री लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह को मायावती और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जन्मदिन की बधाई दी है। मायावती ने एक एक्स पर पोस्ट का कहा कि देश के रक्षा मंत्री, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह जी को आज उनके जन्मदिन पर हार्दिक बधाई एवं उनके बेहतर स्वास्थ्य व दीर्घायु जीवन की शुभकामनायें।

वहीं सीएम योगी ने कहा कि अपने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि भारतीय राजनीति में आदर्श, शुचिता और संयम की प्रतिमूर्ति, भाजपा परिवार के वरिष्ठ सदस्य, माननीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई! आपका पांच दशकों से अधिक का सार्वजनिक जीवन राष्ट्रनीति, राष्ट्रीय सुरक्षा और नैतिक राजनीति का उज्ज्वल उदाहरण है। प्रभु श्री राम की कृपा आप पर बनी रहे। आपको उत्तम स्वास्थ्य और सुदीर्घ जीवन की प्राप्ति हो।

उड़ान भरते ही पुलिस हेलिकॉप्टर क्रैश होकर नदी में गिरा

स्वतंत्र प्रभात

मलेशिया के जोहोर राज्य में पुलिस का एक हेलिकॉप्टर अचानक क्रैश हो गया। नियमित सैन्य अभ्यास के दौरान तकनीकी खराबी आने पर पायलट को इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी, लेकिन हेलिकॉप्टर सीधा नदी में जा गिरा। हादसे में हेलिकॉप्टर में सवार पांचों लोग घायल हुए हैं, जिन्हें सुरक्षित बाहर निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसा बुधवार सुबह 9:51 बजे हुआ। हेलिकॉप्टर ने तंजुंग कुपांग पुलिस स्टेशन से उड़ान भरी थी, लेकिन टेकऑफ के कुछ ही मिनटों बाद तकनीकी खराबी आ गई। मजबूरी में पायलट ने नदी में लैंडिंग की। नदी में गिरते ही समुद्री पुलिस बल ने तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया और सभी को पास के मलेशियाई समुद्री प्रवर्तन एजेंसी के जेटी पर लाया गया। घायलों को जोहोर बारू के सुल्ताना अमीना अस्पताल में भर्ती कराया गया। मलेशिया की सिविल एविएशन अथॉरिटी के मुताबिक, दुर्घटना का शिकार हुआ हेलिकॉप्टर फ्रांस निर्मित एयरबस AS355N मॉडल था, जो एक लाइट यूटिलिटी सिंगल रोटर हेलिकॉप्टर है। इस मॉडल का उत्पादन 1975 से 2016 तक हुआ था। मलेशियाई पुलिस को यह हेलिकॉप्टर 1996 में मिला था। इसे बदलने के लिए पिछले साल ही नए टेंडर जारी किए गए थे। हादसे की जांच एयर एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो करेगा। इससे पहले अप्रैल 2025 में अमेरिका के न्यूयॉर्क में भी एक हेलिकॉप्टर क्रैश हुआ था। हडसन नदी में हुए इस हादसे में हेलिकॉप्टर में सवार सभी छह लोगों की मौत हो गई थी। मरने वालों में सीमेंस कंपनी के CEO ऑगस्टिन एस्कोबार, उनकी पत्नी और उनके तीन बच्चे शामिल थे।

बिलावल भुट्टो का बड़ा कबूलनामा, पहलगाम था आतंकी हमला, पाकिस्तान की भूमिका को नकारा

स्वतंत्र प्रभात

पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने भारतीय पत्रकार करण थापर को दिए इंटरव्यू में बड़ा बयान दिया है। उन्होंने स्वीकार किया कि कश्मीर के पहलगाम में हुआ हमला एक आतंकी हमला था। साथ ही उन्होंने यह भी कबूला कि लश्कर-ए-तैय्यबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकी संगठनों का पाकिस्तान में वजूद है। हालांकि, भुट्टो ने इस हमले में पाकिस्तान सरकार या सेना के शामिल होने के आरोपों को पूरी तरह खारिज कर दिया और इसे भारतीय "प्रोपेगेंडा" करार दिया।

पहलगाम हमले को बताया "आतंकी हमला", मगर पाक भूमिका से इनकार

भुट्टो ने कहा, "मैं इस हमले के पीड़ितों का दर्द समझता हूं, यह एक आतंकवादी हमला था।" लेकिन साथ ही उन्होंने दावा किया कि पाकिस्तान सरकार या सेना का इससे कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने लश्कर और जैश जैसे संगठनों के खिलाफ अतीत में कार्रवाई की है।

"पाकिस्तान खुद आतंकवाद का शिकार है"

बिलावल भुट्टो ने दावा किया कि पाकिस्तान खुद आतंकवाद से बुरी तरह प्रभावित रहा है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान पिछले कई दशकों से आतंकवाद के खिलाफ लड़ रहा है और इसमें 92,000 से ज्यादा लोगों ने जान गंवाई है। भुट्टो ने कहा कि 2024 में ही 1,200 नागरिक मारे गए और अगर हालात नहीं बदले तो 2025 पाकिस्तान के लिए सबसे खूनी साल हो सकता है।

भारत से अंतरराष्ट्रीय जांच की मांग, लेकिन भारत ने ठुकराया- भुट्टो

भुट्टो ने बताया कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने पहलगाम हमले की अंतरराष्ट्रीय जांच में शामिल होने की पेशकश की थी, लेकिन भारत सरकार ने यह प्रस्ताव ठुकरा दिया। उन्होंने कहा, "हमारे हाथ साफ हैं, हमने कोई आतंकी गतिविधि नहीं की।"

आतंकवाद पर भारत से सहयोग की अपील

इंटरव्यू में बिलावल भुट्टो ने भारत और पाकिस्तान के बीच "व्यापक संवाद" की वकालत की जिसमें आतंकवाद का मुद्दा भी शामिल हो। उन्होंने कहा, "आतंकवाद से निपटने का एकमात्र रास्ता सहयोग है।" भुट्टो ने अपनी मां बेनजीर भुट्टो की 2007 में आतंकी हमले में हत्या का ज़िक्र करते हुए कहा, "मैं खुद भी आतंकवाद का शिकार हूं।"

लश्कर और जैश का पाकिस्तान में अस्तित्व कबूला

पूर्व विदेश मंत्री ने यह स्वीकार किया कि लश्कर-ए-तैय्यबा और जैश-ए-मोहम्मद पाकिस्तान में मौजूद हैं। उन्होंने बताया कि ये संगठन अफगान जिहाद के दौरान अस्तित्व में आए और उस दौर में इन्हें "आज़ादी के लड़ाके" माना जाता था। बिलावल ने दावा किया कि उनकी पार्टी (PPP) और उनकी मां ने कभी इन संगठनों का समर्थन नहीं किया।

हाफिज सईद और मुंबई हमलों पर क्या बोले बिलावल?

करण थापर द्वारा 2008 मुंबई हमलों और हाफिज सईद पर सवाल पूछे जाने पर भुट्टो ने जवाब दिया कि सईद को 2022 में 31 साल की सजा सुनाई गई थी। लेकिन उन्होंने मुकदमे में देरी के लिए भारत को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि भारत ने गवाहों को पेश करने से इनकार किया। भुट्टो ने कहा, "हमें मुंबई के लोगों को न्याय दिलाने के लिए भारत से सहयोग चाहिए।" इंटरव्यू के अंत में जब बार-बार लश्कर, जैश और हाफिज सईद पर सवाल पूछे गए तो बिलावल भुट्टो थोड़े असहज हो गए और कहा, "अगर आप मेरे जवाब नहीं सुनना चाहते, तो मैं यह कार्यक्रम छोड़ सकता हूं।"

हसीन दुल्हन बनी हवस की पुजारिन- सगे फूफा से दूरी नहीं हुई बर्दाश्त तो बना लिए शारीरिक संबंध

स्वतंत्र प्रभात

देश में प्यार, शादी और हत्या के ऐसे मामले सामने आ रहे हैं जहां एक हसीन दुल्हन हत्यारिन बन गई जिसने रिश्तों की मर्यादा को तार-तार कर दिया। हाल ही में बिहार के औरंगाबाद से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है जिसने सबको चौंका दिया है। यहां एक नवविवाहिता को अपने सगे फूफा से दूरी बर्दाश्त नहीं हुई तो उसने शारीरिक संबंध बना लिए। जिसके बाद फिर उसने अपने ही पति की हत्या अपने सगे फूफा के साथ मिलकर करवा दी। पुलिस के लिए यह भले ही ब्लाइंड केस था लेकिन कॉल डिटेल्स ने सारा राज़ खोल दिया।

शादी के 45 दिन बाद खून का खेल

दरअसल यह घटना औरंगाबाद के पास बड़वान गांव की है। 25 वर्षीय प्रियांशु उर्फ छोटू की शादी कुछ समय पहले गूंजा सिंह से हुई थी। 25 जून को प्रियांशु अपनी बहन से मिलकर ट्रेन से नवीनगर स्टेशन पहुंचा। उसने अपनी पत्नी गूंजा को फोन कर बाइक से किसी को घर भेजने को कहा। घर लौटते समय रास्ते में 2 अज्ञात लोगों ने गोली मारकर उसकी हत्या कर दी। शुरुआत में पुलिस के लिए यह एक अबूझ पहेली थी कि कातिल कौन है।

फूफा के साथ था अवैध संबंध

पुलिस का शक धीरे-धीरे प्रियांशु की पत्नी गूंजा पर गया। जब पुलिस ने गूंजा का फोन खंगाला और उसकी कॉल डिटेल्स निकालीं तो सारा राज़ खुल गया। पता चला कि गूंजा जिस नंबर पर लगातार बात कर रही थी वह कोई और नहीं बल्कि उसका सगा फूफा जीवन सिंह था। जीवन सिंह ही शूटरों के लगातार संपर्क में था। जी हाँ गूंजा का अपने ही सगे फूफा से अवैध संबंध था। सच सामने आते ही गूंजा, जीवन सिंह और अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में उन्होंने सारे अपराध का खुलासा कर दिया।

गूंजा ने उगला सच- "फूफा से बात न हो तो बेचैन रहती थी"

गूंजा ने पुलिस को बताया कि वह अपने फूफा जीवन सिंह से जब तक बात नहीं करती थी तब तक बेचैन रहती थी। शादी के 45 दिन बाद 24 जून की शाम को हत्या की योजना बनाने से पहले भी गूंजा और फूफा की कई बार मोबाइल पर बात हुई थी। गूंजा ने ही प्रियांशु को चंदौली में अपनी चचेरी बहन के घर जाने को कहा था। चंदौली से घर लौटने के दौरान भी हत्या की योजना को लेकर गूंजा की फूफा से कई बार बात हुई। योजना के तहत डाल्टेनगंज से आए दो शूटरों ने नबीनगर रेलवे स्टेशन से घर लौटते समय प्रियांशु को गोली मारकर हत्या कर दी।

जीवन सिंह के बेटे का चल रहा इलाज, फिर भी किया घिनौना काम

एसपी ने बताया कि जीवन सिंह का बड़ा बेटा हैदराबाद में किडनी का इलाज करा रहा है। जीवन सिंह की पत्नी, बहू और अन्य रिश्तेदार लगातार हैदराबाद आते-जाते रहते हैं। इसके बावजूद जीवन सिंह अपने ही साले की बेटी गूंजा के प्रेम जाल में फँसकर अपने भांजे (यानी गुंजा के पति) की हत्या कराने की साज़िश में शामिल हो गया। एसपी ने यह भी बताया कि हत्या की इस साजिश में शामिल अन्य अपराधियों की पहचान कर ली गई है और उन्हें जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस मामले में पेशेवर तरीके से कार्रवाई की जा रही है ताकि दोषियों को सख्त से सख्त सजा दिलाई जा सके। यह घटना रिश्तों की पवित्रता पर गंभीर सवाल खड़े करती है।

अमेरिका-ब्राजील संबंधों में दरार गहराई- ट्रंप ने दिया बड़ा टैक्स झटका

स्वतंत्र प्रभात

अमेरिकी पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बड़ा फैसला लेते हुए घोषणा की है कि अमेरिका अब ब्राजील से होने वाले सभी आयातों पर 50% टैरिफ लगाएगा। यह कदम ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा से हालिया जुबानी जंग के बाद उठाया गया है। दरअसल, ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान लूला ने बिना नाम लिए ट्रंप को "अनचाहा सम्राट" कह दिया था, जिसके बाद दोनों नेताओं में ठन गई।

टैरिफ से ब्राजील की अर्थव्यवस्था पर झटका

ट्रंप ने कहा कि नया 50% टैरिफ 1 अगस्त से लागू होगा। यह पहले से घोषित 10त्न टैरिफ से कहीं अधिक है। इस घोषणा के बाद ब्राजील की मुद्रा 'रीयाल' में 3त्न से ज्यादा की गिरावट दर्ज हुई और अमेरिकी शेयर बाजार में ब्राजील की कंपनियों के शेयर भी गिरे।अपने बयान में ट्रंप ने कहा कि यह फैसला सिर्फ लूला के बयान का जवाब नहीं है बल्कि ब्राजील की सुप्रीम कोर्ट द्वारा पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो के खिलाफ चल रही कार्रवाई और अमेरिकी कंपनियों की डिजिटल गतिविधियों पर अंकुश लगाने की कोशिशों का भी प्रतिशोध है। ट्रंप ने इसे "फ्री स्पीच राइट्स" पर हमला करार दिया।

लूला ने दी सख्त चेतावनी

ब्राजील के राष्ट्रपति लूला ने इस टैरिफ के खिलाफ कड़ा पलटवार किया। उन्होंने वित्त मंत्री और विदेश मंत्री के साथ आपात बैठक कर कहा, "ब्राजील को कोई ट्यूटर नहीं चाहिए। जो लोग तख्तापलट की साजिश रचते हैं, उन पर केस चलाना हमारा अधिकार है। बाहरी धमकियां मंजूर नहीं।" लूला ने अमेरिका को चेतावनी दी कि अगर टैरिफ बढ़े, तो ब्राजील जवाबी शुल्क लगाएगा।

इन उद्योगों को सबसे बड़ा झटका

ट्रंप के इस फैसले से सबसे बड़ा असर ब्राजील के स्टील, एयरक्राफ्ट और मशीनरी उद्योगों पर पड़ेगा। विमान निर्माता एम्ब्रायर को सबसे बड़ा नुकसान हो सकता है, जिसके शेयरों में 9त्न की गिरावट दर्ज हुई।यह पूरा विवाद ब्रिक्स सम्मेलन से शुरू हुआ था, जब ट्रंप ने ब्रिक्स को अमेरिका विरोधी गठबंधन बताया और अतिरिक्त टैरिफ की धमकी दी। जवाब में लूला ने कहा, "दुनिया बदल चुकी है, हम कोई सम्राट नहीं चाहते।"

अमेरिका को भी होगा नुकसान

विशेषज्ञों के मुताबिक, अमेरिका ब्राजील से बीफ, कॉफी और कोको जैसी चीजें आयात करता है जो वहां खुद नहीं उगतीं। ऐसे में टैरिफ से अमेरिकी बाजार में इन वस्तुओं की कीमतें भी बढ़ सकती हैं। दिलचस्प बात यह है कि ब्राजील अमेरिका के साथ व्यापार घाटे में है। यानी ब्राजील, अमेरिका से ज्यादा सामान खरीदता है जितना उसे बेचता है। इसके बावजूद ट्रंप ने यह बड़ा कदम उठाया है, जो उनकी रेसिप्रोकल टैक्स पॉलिसी से उलट है। ट्रंप का यह फैसला सिर्फ व्यापार नीति नहीं बल्कि राजनीतिक और कूटनीतिक तनातनी को भी दिखाता है। आने वाले दिनों में इससे अमेरिका-ब्राजील संबंधों में और खटास आ सकती है।

रील्स के मकड़जाल में फंसे युवा कहां तक जाएंगे

देश में 'रील्स' का मकड़जाल बुरी तरह से फैलता जा रहा है और देश के युवा इसमें पूरी तरह से डूबते जा रहे हैं। सोशल मीडिया ने हमें अगर कुछ अच्छाइयां दी हैं तो बुराइयां भी कम नहीं मिलीं हैं। नवयुवतियां द्वारा ओपन प्लेस पर भद्दा डांस और अंग प्रदर्शन देश को कहां लेकर जा रहा है इसके लिए सरकार को उचित कदम उठाने पड़ेंगे। कोई नदी में छलांग लगाते हुए रील बना रहा है तो कोई रेल लाइन पर लेटकर रील बना रहा है। हमको कोई मतलब नहीं कि इससे हम क्या संदेश देना चाहते हैं बस केवल फालोवर्स बढ़ने चाहिए। फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स, थ्रेड्स आदि सोशल मीडिया साइट्स पर ढेरों 'रील्स' भरी पड़ी हैं। इसमें हमारे अभिभावक का दोष कम नहीं है क्योंकि हम बच्चों को खुली छूट दिए हुए हैं। पार्क हो सड़क हो, रेलवे स्टेशन हो नदी का किनारा हो हर जगह रील बाज युवतियां और युवक भौंडे डांस करते दिख जाएंगे उन्हें फर्क नहीं पड़ता कि दुनिया उनके लिए क्या कह रहा है। स्कूल हो, थाना हो कोर्ट-कचहरी हो हर जगह रील बाज मिल जाएंगे। कई जगह तो सरकारी कर्मचारियों पर कार्रवाई भी हुई है लेकिन ये पीढ़ी सुधरने का नाम नहीं ले रही है। रील से कमाई करने का बुखार सभी को चढ़ा है लेकिन जितनी

रील बन रहीं हैं उसमें से 2-4 प्रतिशत लोग ही होंगे जो कमाई कर रहे हैं। रील में फालोवर्स बढ़ाने के लिए अब तो बकायदा ट्रेनिंग भी दी जा रही है। यह ट्रेनिंग आनलाईन व एप के माध्यम से दी जा रही है। 'रील्स' भारतीय समाज में कई तरह के नुकसान पहुंचा रही हैं। रील संस्कृति पारंपरिक मूल्यों और सभ्यता को खत्म कर रही है, जिससे युवा पीढ़ी अपने मूल्यों से विमुख हो रही है। लोग सार्वजनिक स्थलों पर ठुमके लगाते और अश्लील हरकतें करते देखे जा सकते हैं, जो समाज के लिए हानिकारक है। लगातार रील्स देखने और बनाने से मानसिक अवसाद और बेचैनी बढ़ रही है। लोग घंटों रील्स देखते रहते हैं, जिससे उनका दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है। 'रील्स' बनाने का जुनून रिश्तों को तोड़ रहा है। कई मामलों में पति-पत्नी के बीच रील्स बनाने को लेकर विवाद हो रहे हैं और तलाक तक की नौबत आ जा रही है। 'रील्स' संस्कृति समाज में धोखाधड़ी और अपराध को बढ़ावा दे रही है। लोग 'रील्स' बनाने के लिए कुछ भी करने को तैयार हैं, जिससे समाज में अपराध की घटनाएं बढ़ रही हैं। रील्स के चक्कर में लोग शिक्षा और जागरूकता की कमी का शिकार हो रहे हैं। लोग रील्स बनाने में इतने मशगूल हो गए हैं कि उन्हें अपने भविष्य और समाज की चिंता नहीं है। इन नुकसानों को देखते हुए, यह आवश्यक है कि हम 'रील्स' संस्कृति के प्रभावों को समझें और इसके नकारात्मक पहलुओं को कम करने के लिए काम करें। 'रील्स' को लेकर सरकारी महकमे में भी होड़ मची हुई है। पुलिस विभाग, शिक्षा विभाग व अन्य विभागों में आन ड्यूटी लोगों को 'रील्स' बनाते देखा जा सकता है। इसके लिए उन्हें निलंबन तक की सजा का सामना करना पड़ा है। क्योंकि आजकल हर चीज बड़ी आसानी से सोशल मीडिया के माध्यम से वायरल हो जाती है। और सरकारी कर्मचारियों पर कार्रवाई हो जाती है। लेकिन इन युवाओं पर इसका भी असर पड़ता नजर नहीं आ रहा है। सरकार को इसके लिए एलर्ट होना पड़ेगा, कुछ नियम कायदे कानून बनाने होंगे ताकि इस भेंड़चाल में फंसते युवाओं पर अंकुश लगाया जा सके। रील्स के मकड़जाल में युवा ही नहीं अधेड़ उम्र की स्त्रियां भी कम नहीं हैं। उनको भी सोशल मीडिया पर नग्नता परोसते देखा जा सकता है। लेकिन इसके लिए अभी हमारे यहां कोई कानून नहीं है। यहां यह आवश्यक हो जाता है कि सरकार को इसके लिए कुछ क़दम उठाने होंगे। नहीं तो आगे आने वाले समय में इसके भयंकर परिणाम देखने को मिल सकते हैं। सोशल मीडिया पर रील्स को लेकर सरकार को ठोस क़दम उठाने होंगे। सरकार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के लिए नियमन और विनियमन के दिशानिर्देश बनाने चाहिए, जो रील्स की सामग्री और इसके प्रभावों को नियंत्रित करने में मदद करें। सरकार को सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं के लिए जागरूकता अभियान चलाने चाहिए, जो उन्हें रील्स के नकारात्मक प्रभावों के बारे में शिक्षित करें और उन्हें सुरक्षित और जिम्मेदार तरीके से सोशल मीडिया का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करें। सरकार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के लिए शिकायत निवारण प्रणाली स्थापित करनी चाहिए, जो उपयोगकर्ताओं को रील्स की अनुचित सामग्री की रिपोर्ट करने और इसकी जांच करने में मदद करे।

जितेन्द्र सिंह पत्रकार

नीट घोटाले से लेकर आदिवासी हत्याकांड तक क्या संसद के मानसून सत्र में गूंजेगी जनता की पीड़ा?

भारतीय लोकतंत्र की नींव में संसद एक ऐसा स्तंभ है, जो न केवल विधायी प्रक्रिया का औपचारिक मंच है, बल्कि यह सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक संवाद का केन्द्रबिंदु भी है। यह भवन केवल ईंट और पत्थरों से बना कोई स्थापत्य नहीं, बल्कि यह करोड़ों भारतीयों की आशाओं, आक्रोशों और आकांक्षाओं की जीवंत प्रतिध्वनि है। जब संसद का सत्र बुलाया जाता है, तो देश की चेतना वहीं सिमट आती है क्योंकि वहीं मंच है जहाँ जनता के सवालों को गूंज मिलती है और सत्ता को जवाबदेह ठहराया जा सकता है। 21 जुलाई 2025 से शुरू होने वाला संसद का मानसून सत्र इस मायने में बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह सत्र एक ऐसे समय में हो रहा है जब देश के भीतर कई ज्वलंत प्रश्न उत्तर की तलाश में हैं, और लोकतंत्र की आत्मा पुनः संवाद की पुकार कर रही है। देश की राजनीतिक स्थिति इस समय संक्रमण के एक जटिल दौर से गुजर रही है। 2024 के आम चुनावों के बाद सत्ता पक्ष ने पूर्ण बहुमत प्राप्त किया है, किंतु विपक्ष ने भी पहली बार एक सुसंगठित और कुछ हद तक प्रभावी उपस्थिति दिखाई है। इंडिया गठबंधन के रूप में कई प्रमुख विपक्षी दलों ने एक मंच साझा करने की कोशिश की है, यद्यपि उनके भीतर नीतिगत मतभेद और नेतृत्व की अस्पष्टता बनी हुई है। ऐसे में संसद का यह सत्र केवल विधायी कार्यों की दृष्टि से ही नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक संतुलन और विपक्ष की प्रभावशीलता के परीक्षण के रूप में भी देखा जा रहा है। मानसून सत्र को लेकर केंद्र सरकार द्वारा 21 जुलाई से 21 अगस्त तक की अवधि घोषित की गई है। यह पिछले सत्रों की तुलना में अपेक्षाकृत लंबा सत्र होगा, जिसमें सरकार कई महत्वपूर्ण विधेयक पेश करने और कुछ विवादित संशोधनों को पारित करने की योजना बना रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, संसद में डेटा संरक्षण विधेयक, नागरिकता संशोधन विधेयक से जुड़ी नई व्याख्याएं, और डिजिटल भारत से जुड़े मसौदे प्रस्तुत किए जा सकते हैं। साथ ही, न्यायपालिका की स्वतंत्रता, चुनावी सुधार और पर्यावरण नीति जैसे संवेदनशील विषय भी चर्चा में लाए जा सकते हैं। लेकिन प्रश्न यह नहीं कि सरकार क्या लाना चाहती है। असली सवाल यह है कि क्या विपक्ष इस बार संसद में जनता की आवाज़ बन सकेगा? क्या वह सिर्फ़ नारों और वॉकआउट की राजनीति करेगा या फिर ठोस बहस और जन-प्रश्नों को सरकार के समक्ष दृढ़ता से रखेगा? इस सत्र की संवेदनशीलता का अंदाज़ा इस बात से लगाया जा सकता है कि देश इस समय कई स्तरों पर असंतोष और अस्थिरता का सामना कर रहा है। सबसे पहले बात करें शिक्षा और युवा भविष्य की तो नीट परीक्षा घोटाला इस समय राष्ट्रव्यापी चिंता का विषय बना हुआ है। लाखों छात्र जिन्होंने अपने जीवन के वर्षों को इस परीक्षा की तैयारी में लगाए, वे एक गहरे अवसाद और असहायता में डूबे हुए हैं। प्रश्नपत्र लीक, एजेंसी की लापरवाही, और राजनीतिक हस्तक्षेप जैसे आरोपों ने एनटीए जैसे संस्थानों की विश्वसनीयता को गहरी चोट पहुँचाई है। इस मुद्दे पर सरकार की प्रतिक्रिया असंतोषजनक रही है न कोई स्पष्ट जवाब, न कोई ईमानदार स्वीकारोक्ति, और न ही कोई संस्थागत सुधार का संकेत। ऐसे में विपक्ष की यह नैतिक और राजनीतिक जिम्मेदारी बनती है कि वह इस प्रश्न को संसद में पूरी गंभीरता से उठाए। केवल सरकार पर आरोप लगाना पर्याप्त नहीं, बल्कि यह माँग की जानी चाहिए कि एक न्यायिक आयोग का गठन हो, जिससे शिक्षा तंत्र की समूची संरचना की जांच हो सके। दूसरा महत्वपूर्ण मुद्दा जो इस सत्र में चर्चा के केन्द्र में होना चाहिए, वह है पूर्णिया आदिवासी हत्याकांड। बिहार के पूर्णिया जिले के 'डंगराही गाँव' में हाल ही में हुई आदिवासी युवकों की नृशंस हत्या केवल एक स्थानीय अपराध नहीं, बल्कि यह आदिवासी अस्मिता, अधिकार और संवैधानिक संरक्षण पर सीधा हमला है। इस घटना के बाद न केवल बिहार, बल्कि पूरे देश के आदिवासी समुदायों में असंतोष और डर का माहौल बना हुआ है। राज्य सरकार की प्रतिक्रिया ढुलमुल रही है, और केंद्र सरकार की चुप्पी उसे और अधिक घातक बनाती है। क्या संसद में यह प्रश्न उठेगा कि आदिवासियों के लिए संविधान के अनुच्छेद 244 और पांचवीं अनुसूची की वास्तविक स्थिति क्या है? क्या सरकारें केवल चुनावी वादों तक आदिवासी अधिकारों को सीमित रखना चाहती हैं, या संसद में सचमुच इस मुद्दे पर विधायी और नीति-आधारित बहस होगी? इसी तरह झारखंड, छत्तीसगढ़ और ओडिशा जैसे आदिवासी बहुल राज्यों में जल-जंगल-ज़मीन से जुड़े अधिकारों पर सरकारी कंपनियों और कॉरपोरेट गठजोड़ों की पकड़ तेज़ी से बढ़ रही है। आदिवासी क्षेत्रों में विस्थापन, वनाधिकार अधिनियम के उल्लंघन और खनन के कारण हुए पर्यावरणीय विनाश जैसे मुद्दे बार-बार उठाए गए हैं, लेकिन संसद में इनकी गंभीरता से कोई सुनवाई नहीं होती। यदि इस मानसून सत्र में विपक्ष इस प्रश्न को प्रमुखता से नहीं उठाता, तो यह लोकतंत्र की उस आत्मा के साथ विश्वासघात होगा जिसने वंचितों को आवाज़ देने की बात कही थी।संसद के इस सत्र में सरकार जिस तरह से डिजिटल इंडिया के तहत नए नियमों और निगरानी प्रणालियों को लागू करने की दिशा में आगे बढ़ रही है, वह भी एक चिंताजनक संकेत है। डेटा संरक्षण विधेयक के नाम पर नागरिकों की निजता का हनन, सरकारी एजेंसियों को असीमित अधिकार और विपक्षी नेताओं, पत्रकारों और सामाजिक कार्यकर्ताओं की जासूसी जैसी आशंकाएँ पहले से ही उठ रही हैं। पेगासस जासूसी कांड अब भी जनता के ज़हन में ताज़ा है, और अब यदि संसद में इस पर चर्चा नहीं होती, तो इसका अर्थ यही निकलेगा कि संसद भी अब सत्ता के उपकरण में तब्दील हो गई है।क्षमानसून सत्र की एक अन्य संवेदनशील धुरी है चुनावी फंडिंग और राजनीतिक पारदर्शिता का संकट। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में चुनावी बॉन्ड स्कीम को लेकर कई तीखे सवाल उठाए हैं। इन बॉन्ड्स के माध्यम से कारपोरेट द्वारा राजनीतिक दलों को दी गई चंदा राशि, चुनावी निष्पक्षता पर गहरा प्रश्नचिन्ह बन चुकी है। यह विषय केवल चुनाव आयोग या न्यायालय का नहीं यह संसद का विषय है। और यदि विपक्ष अब भी इस मुद्दे को हाशिए पर रखे, तो यह दर्शाता है कि वह भी इस व्यवस्था का ही भाग बन चुका है। इतिहास साक्षी है कि संसद में विपक्ष की भूमिका तब प्रभावी होती है जब वह वैकल्पिक नीति प्रस्तुत करता है, केवल विरोध के लिए विरोध नहीं करता। राममनोहर लोहिया, अटल बिहारी वाजपेयी, सोमनाथ चटर्जी और सीताराम येचुरी जैसे नेताओं ने विपक्ष को एक वैचारिक, सुसंस्कृत और नीतिगत शक्ति में परिवर्तित किया था। आज के समय में ऐसी ही विपक्ष की आवश्यकता है जो संसद को गतिरोध से बाहर निकाले और विचारों से सत्ता को चुनौती दे। विपक्षी एकता की बात करें तो इंडिया गठबंधन जैसी पहलें शुरुआती तौर पर जनभावनाओं को आकर्षित करती हैं, लेकिन गठबंधन का वास्तविक मूल्य तब साबित होता है जब वह संसद के भीतर सामूहिक रणनीति और मुद्दों की प्राथमिकता तय कर सके। क्या कांग्रेस, टीएमसी, आप, डीएमके, राजद और झामुमो जैसे दल संसद में समन्वयित होकर सरकार से सवाल पूछ पाएंगे? या फिर हर दल अपनी-अपनी भूमिका निभाकर केंद्र सरकार को विपक्ष-विहीन संसद का सुख दे देंगे? मानसून सत्र में यह भी देखा जाना चाहिए कि क्या महिला आरक्षण, दलितों और पिछड़े वर्गों की भागीदारी, बेरोज़गारी पर राष्ट्रीय नीति, महँगाई नियंत्रण और कृषि सुधार जैसे विषय एजेंडे पर होंगे। किसानों की आय दुगनी करने का वादा, युवाओं को करोड़ों नौकरियाँ देने का दावा और महँगाई दर को काबू में रखने का आश्वासन क्या इन सभी को संसद में तथ्यात्मक समीक्षा मिलेगी? इस समय संसद के भीतर एक और बड़ा सवाल है न्यायपालिका की स्वतंत्रता और संविधान की भावना की रक्षा का। कॉलेजियम प्रणाली, न्यायाधीशों की नियुक्ति, न्यायिक जवाबदेही, और सरकारी हस्तक्षेप के आरोपों के बीच न्यायपालिका और कार्यपालिका के संबंध लगातार तनावपूर्ण होते जा रहे हैं। संसद में यह चर्चा अत्यंत आवश्यक है कि देश का संविधान और उसके मूल सिद्धांत धर्मनिरपेक्षता, संघवाद, सामाजिक न्याय और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता आज किस स्थिति में हैं। विशेषकर जब स्कूली पाठ्यक्रमों से संघवाद और धर्मनिरपेक्षता जैसे शब्दों को हटाने की कोशिशें हो रही हैं, तब संसद में यह बहस एक ऐतिहासिक ज़िम्मेदारी बन जाती है।यदि इस सत्र में विपक्ष केवल बहिर्गमन, तख्ती लहराने और स्थगन प्रस्तावों तक सीमित रहता है, तो न केवल उसका नैतिक आधार कमजोर होगा, बल्कि यह सत्ता पक्ष को बिना प्रश्नचिन्हों के एकछत्र शासन का अवसर भी देगा। लोकतंत्र की खूबसूरती उसके विरोध में है एक ऐसा विरोध जो शिष्ट, तार्किक, सुसंस्कृत और सिद्धांतों पर आधारित हो। भारत की संसद को केवल एक 'नियम पास करने वाली संस्था' नहीं, बल्कि एक विचारमंथन स्थल के रूप में पुनर्स्थापित करने की आवश्यकता है। अंततः यही कहा जा सकता है कि इस मानसून सत्र की परीक्षा केवल सत्ता की नहीं, बल्कि विपक्ष की भी है। सत्ता अपने एजेंडे को आगे बढ़ाना चाहेगी। यह उसकी प्रकृति है। लेकिन क्या विपक्ष राष्ट्र की पीड़ाओं को संसद में अनुगूंजित कर सकेगा? क्या वह देश की जनता को यह विश्वास दिला सकेगा कि वह केवल हारने वाला दल नहीं, बल्कि न्याय और संवैधानिक चेतना का प्रहरी है? अगर संसद में जनता की आवाज़ नहीं गूँजेगी, तो वह आवाज़ सड़कों, कविताओं, आंदोलनों, जेलों और अंततः इतिहास में गूंजेगी।

हंसराज चौरसिया

दैनिक राशिफल

डॉ.कौशलेन्द्र पाण्डेय जी
ज्योतिष सेवा केन्द्र लखनऊ

मेष-आज विवेक का प्रयोग करें। समस्याएं कम होंगी। शारीरिक कष्ट संभव है। अज्ञात भय रहेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

वृष-आज नौकरी में अधिकार मिल सकते हैं। सुख के साधन जुटेंगे। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। स्वास्थ्?य संबंधी चिंता बनी रहेगी। आशंका व कुशंका रहेगी। कार्य में बाधा संभव है। उत्साह बना रहेगा।

मिथुन-आज कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति अनुकूल बनेगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि अपमान हो। व्यापार-व्यवसाय अनुकूल रहेगा। निवेश सोच-समझकर करें। नौकरी में चैन रहेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा।

कर्क-आज स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में सावधानी रखें। विवाद से क्लेश हो सकता है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। पार्टनरों से कहासुनी हो सकती है। भागदौड़ होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। लाभ के लिए प्रयास करें।

सिंह-आज वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। शारीरिक कष्ट संभव है। अज्ञात भय सताएगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे। तंत्र-मंत्र में रुचि जागृत होगी। किसी जानकार व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त हो सकता है। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

कन्या-आज नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सुख के साधन जुटेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यवसाय लाभदायक रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। धनहानि हो सकती है। सावधानी आवश्यक है। थकान महसूस होगी।

तुला-आज घर के छोटे सदस्यों संबंधी चिंता रहेगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। कोई बड़ा काम करने का मन बनेगा। भाग्य का साथ मिलेगा। व्यापार मनोनुकूल रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। जल्दबाजी न करें।

वृश्चिक-आज कोई बड़ा खर्च एकाएक सामने आएगा। कर्ज लेना पड़ सकता है। कुसंगति से बचें। किसी व्यक्ति के काम की जवाबदारी न लें। स्वयं के काम पर ध्यान दें। बनते काम बिगड़ सकते हैं। विवाद को बढ़ावा न दें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। व्यापार ठीक चलेगा। कार्यकुशलता कम होगी।

धनु-आज अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में अधिकार बढ़ने के योग हैं। कोई बड़ी समस्या का अंत हो सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। लेन-देन में सावधानी रखें।

मकर-आज फिजूलखर्ची ज्यादा होगी। शत्रु भय रहेगा। शारीरिक कष्ट से बाधा उत्पन्न होगी। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नए काम करने का मन बनेगा। दूर यात्रा की योजना बनेगी। व्यापार से लाभ होगा। नौकरी में चैन रहेगा। जोखिम न लें।

कुंभ-आज प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। लाभ देगा। कोई बड़ा काम करने का मन बनेगा। प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड इत्यादि में जल्दबाजी न करें। लाभ होगा।

मीन-आज एकाएक स्वास्थ्य खराब हो सकता है, लापरवाही न करें। दूर से दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है। व्यर्थ दौड़धूप होगी। विवाद से स्वाभिमान को चोट पहूंच सकती है। काम में मन नहीं लगेगा। नौकरी में कार्यभार रहेगा। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। आय में निश्चितता रहेगी।

संपादकीय

युवा और जनसंख्या- नीति, नैतिकता और नेतृत्व की कसौटी पर

21वीं सदी का भारत एक ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ा है ।एक ओर तीव्र जनसंख्या वृद्धि की चुनौती है, तो दूसरी ओर सबसे युवा देश होने का गौरव। यह विरोधाभास देश के सामने प्रश्न खड़ा कर रहा है कि क्या यह जनसंख्या भारत के लिए बोझ है, या सही नीति, नैतिकता और नेतृत्व के साथ यह भारत के लिए सबसे बड़ी संपदा बन सकती है? भारत की वर्तमान जनसंख्या लगभग 1.43 अरब है, जिसमें लगभग 65त्र आबादी 35 वर्ष से कम आयु के युवाओं की है। यही जनसांख्यिकीय संरचना भारत को "विश्व का सबसे युवा राष्ट्र"बनाती है। लेकिन किसी भी राष्ट्र के लिए जनसंख्या केवल संख्या नहीं होती, अपितु यह सामाजिक, आर्थिक और नैतिक जिम्मेदारी भी होती है। यदि यह युवा शक्ति दिशा, दृष्टि और दायित्व से जुड़ जाए, तो यह जनसंख्या संकट नहीं, जन-संपदा बन सकती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, स्टार्टअप इंडिया, स्किल इंडिया, डिजिटल इंडिया जैसे कई अभियानों ने यह स्पष्ट संकेत दिये हैं कि भारत अपनी युवा शक्ति को केंद्र में रखकर भविष्य की रूपरेखा तैयार कर रहा है। लेकिन नीति का वास्तविक मूल्यांकन क्रियान्वयन से होता है। क्या ये योजनाएं युवाओं तक सही रूप में पहुँच पा रही हैं? क्या ग्रामीण और वंचित क्षेत्रों का युवा इन योजनाओं का लाभ उठा पा रहा है? प्रशासन को देखना होगा। सिर्फ नीति बनाना पर्याप्त नहीं, उसे समावेशी, सुलभ और नैतिक रूप से प्रेरित बनाना भी आवश्यक है। नीति का जनसंख्या के साथ संवाद और सहभागिता के स्तर पर जुड़ना भी जरूरी है।

नैतिकता की कसौटी पर यह भी समझना होगा कि क्या आज का युवा केवल अपने अधिकारों की बात करना जानता है या दायित्व और कर्तव्य भी समझते हैं? डिजिटल सशक्तिकरण और वैश्विक संवाद के दौर में आज का युवा अधिक मुखर, स्वतंत्र और आत्मकेंद्रित हो गया है। वह पर्यावरण, लैंगिक समानता, भ्रष्टाचार और मानसिक स्वास्थ्य जैसे विषयों को लेकर सजग है, जो सकारात्मक संकेत हैं। परंतु तकनीक की अति, सोशल मीडिया की लत, त्वरित संतोष की मानसिकता और पारिवारिक मूल्यों से दूरी जैसी प्रवृत्तियाँ एक गहरी नैतिक शून्यता की ओर संकेत कर रही हैं। केवल 'स्वतंत्रता' का भाव यदि 'उत्तरदायित्व' से जुड़ा न हो, तो जनसंख्या विस्फोट के साथ सामाजिक विघटन की भी आशंका बढ़ा सकती है। युवाओं को यह समझाने की आवश्यकता है कि स्व-अनुशासन, संयम, और सामाजिक चेतना, जनसंख्या नियंत्रण के सबसे प्रभावी माध्यम हैं। कानून और अभियान तभी सफल होते हैं जब वे नैतिक चेतना से पोषित हों। नेतृत्व की कसौटी पर क्या आज के युवा स्वयं को नेतृत्व के लिए तैयार कर रहे हैं? प्रश्न भी आज के समय में महत्वपूर्ण हो जाता है। हर पीढ़ी का मूल्यांकन केवल उसकी संख्या से नहीं, बल्कि उसके नेतृत्व कौशल और दृष्टिकोण से होता है। आज की पीढ़ी स्टार्टअप्स, नवाचार, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, फ्रीलांसिंग और सोशल एंटरप्रेन्योरशिप में नई राहें बना रही है। 'ग्लोकल' सोच–अर्थात स्थानीय जड़ों के साथ वैश्विक दृष्टिकोण, इसकी पहचान बन चुकी है जो अच्छे संकेत है।किन्तु नेतृत्व केवल आर्थिक या तकनीकी क्षेत्र तक सीमित नहीं होना चाहिए। सामाजिक नेतृत्व भी आवश्यक है,वो भी ऐसा जो संवाद, सहानुभूति और दायित्व को लेकर चले।तभी सही अर्थों में जनसंख्या को राष्ट्र-निर्माण की ऊर्जा में रूपांतरित किया जा सकता है।

युवाओं को चाहिए कि वे अपने आपको नेतृत्व के लिए तैयार करें–अपने विचारों, कार्यों और जीवनशैली से। किन्तु यह ध्यान रखें कि नेतृत्व तब ही प्रभावशाली होता है जब वह अनुकरणीय हो। निष्कर्ष रूप में कहा जा सकता है कि यदि आज की युवा पीढ़ी संयम, संवाद और सजगता के साथ आगे बढ़े, यदि नीति-निर्माता उसे नैतिक और व्यवहारिक शिक्षा से सशक्त करें, और यदि समाज नेतृत्व के लिए उसे मंच दे, तो भारत की यह जनसंख्या न केवल चुनौती को अवसर में बदलेगी, बल्कि देश को वैश्विक नेतृत्व की दिशा में अग्रसर करेगी। वैसे भी आज का भारत वैश्विक नेतृत्व के लिए कृत संकल्पित दिखाई देता है। किन्तु यह समझना भी आवश्यक है कि सीमित संसाधनों वाले देश में जनसंख्या नियंत्रण पर ध्यान देना भी जरूरी है और यह भी स्पष्ट है कि जनसंख्या नियंत्रण किसी एक उपाय से नहीं, बल्कि नीति की समग्रता, नैतिकता की चेतना और नेतृत्व की प्रतिबद्धता से संभव है।

डॉ मनमोहन प्रकाश

आधार और पैन कार्ड निजी जीवन की सुविधा या गोपनीयता भंग होने का खतरा

हिंदुस्तान की आबादी की 141 करोड़ जनसंख्या में से 120 करोड़ जनमानस के पास है। यह आंकड़े सरकार के पास भी जो अक्सर यह संदेह पैदा करतें है कि इसका कही दुरुपयोग होकर, कहीं आपके निजी जीवन में हस्तक्षेप तो नहीं किया जा रहा है। सरकार द्वारा समस्त शासकीय सुविधाओं की प्राप्ति के लिए आधार कार्ड, पैन कार्ड एवं मोबाइल सिम के लिए आधार कार्ड की अनिवार्यता लागू कर दी गई है। यह बात तो सर्वविदित है कि मोबाइल में सिम कार्ड लेते वक्त आधार कार्ड की अनिवार्यता राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अति महत्वपूर्ण तो है ही पर इसमें कभी-कभी यह आशंका भी होने लगती है कि भारत में निवास करने के लिए आधार के रूप में निजी जीवन में कहीं दखलअंदाजी तो नहीं है अथवा व्यक्ति के जीवन में उसकी निजता पर प्रहार तो नहीं है। चूंकि आधार कार्ड व्यक्ति की निजी पहचान को अपने में सम्मिलित करता है और इसकी अनिवार्यता से व्यक्ति की निजी पहचान का दुरुपयोग हो सकता है। व्यक्ति कहां क्या गतिविधियां कर रहा है यह आधार की अनिवार्यता के साथ सरकार के पास सारी जानकारी उपलब्ध हो जाती है, जिससे सरकार द्वारा अथवा डाटा संग्रहण केंद्र के माध्यम से किसी भी हैकर द्वारा दुरुपयोग किया जा सकता है ।जो व्यक्तिगत इच्छा के विपरीत है और यदि सरकार आधार से संबंधित आंकड़े किसी अन्य पक्ष के साथ साझा करती है तो इसके दुरुपयोग की संभावना प्रबल हो जाती है। आधार कार्ड के दुरुपयोग की दूसरी समस्या इसके राजनीतिक प्रतिशोध के रूप में उपयोग किए जाने की भीतर हो सकती है। राजनीति में सत्ता पक्ष की जितनी भूमिका होती है विपक्ष की भूमिका उससे अधिक होती है। आधार कार्ड के आंकड़ों के माध्यम से कोई भी सत्ता पक्ष, विपक्ष की इस भूमिका को सीमित करने का प्रयास कर सकता है। आधार कार्ड की अनिवार्यता के साथ विपक्षी राजनेताओं के संवादों को टेप कर रणनीति का पूर्वानुमान लगाना सत्ता पक्ष की मंशा हो सकती है,इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है। पर इसके कई फायदे भी हैं ,आधार कार्ड की पैन कार्ड में अनिवार्यता ने वर्षो से टैक्स की छूट ले रहे फर्जी पैन कार्ड धारकों के हितों में चोट तो की है। इससे सरकार के कर संग्रहण में बढ़ोतरी होने से योजनाओं के लिए धन आवंटन एवं भौतिक सामाजिक निवेश में वृद्धि होगी। आधार कार्ड की अनिवार्यता से स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता नहीं बढ़ाया जा सकता है क्योंकि इससे सरकार के पास वास्तविक सफलता के आंकड़े भी उपलब्ध होंगे जो बेहतर नीति निर्माण के लिए सहायक भी होगी। विगत दिनों सुप्रीम कोर्ट ने भी माना कि भले ही निजता का अधिकार मौलिक अधिकार हो किंतु सरकार द्वारा जनकल्याण के कार्यों के लिए उसका अतिक्रमण किया जा सकता है। एक लोकतांत्रिक सरकार का प्रथम एवं अंतिम उद्देश्य लोक कल्याणकारी रूप में स्वयं को स्थापित करना है। यदि लोक कल्याण के लिए सरकार व्यक्तियों के आंकड़ों का संग्रहण करती है उसे उचित माना जाना चाहिए। शर्त यह है कि सरकार विधि सम्मत स्थापित कर दें कि उन एकत्रित आंकड़ों का दुरुपयोग कि किन्ही भी स्थिति में नहीं किया जाएगा। व्यक्ति की निजता एक अखंडनिय अधिकार है, किंतु इसकी निरंतरता के लिए सरकार का सहयोग अपनी कर्तव्यनिष्ठा का पालन भी आवश्यक है। व्यक्ति को चाहिए कि वर्तमान डिजिटल युग के खतरों को भांपते हुए निजी पहचान को किसी भी अनाधिकृत वेबसाइट अथवा व्यक्ति को देने से बचें क्योंकि निजता का वास्तविक खतरा उससे है,ना कि सरकार के आंकड़ों के संग्रहण से है। आंकड़ों की उपलब्धता सरकार के लिए अत्यंत आवश्यक भी है और अनिवार्य भी है। किंतु सरकार को यह आश्वासन देना होगा कि एकत्रित आंकड़ों का किन्हीं भी परिस्थितियों में दुरुपयोग नहीं किया जाएगा और व्यक्ति की निजता पर किसी तरह की आंच आने की संभावना नहीं होगी। आज इंटरनेट हमें देख रहा है हमारी प्रत्येक गतिविधि पर नजर है, कल टीवी पर भी हमें देखेगा हमारी सूचियों की जानकारी रखेगा इससे यह लाभ होगा कि हमारा जीवन सरल हो जाएगा किंतु कीमत होगी हमारी निजता की इस पर खतरा ना हो तो सारी सुविधाएं मानवीय पहलुओं को सहायता करना ही है। आज के डिजिटल युग में हमें किसी किसी भी साइट अथवा किसी भी चैनल को अपना आधार कार्ड नंबर तुरंत नहीं बताना चाहिए इससे साइबर अपराध को बढ़ोतरी मिलती है एवं धन हानि की संभावना ज्यादा होने लगेगी।

संजीव ठाकुर

ट्रम्प की ब्रिक्स को धमकी

ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का घोषणा पत्र जारी होते ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ब्रिक्स की अमेरिका विरोधी नीतियों से जुड़ने वाले देशों पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने की धमकी दी है। यह धमकी ऐसे वक्त में आई है जब अमेरिका सरकार टैरिफ लगाने की समय सीमा से पहले कई देशों के साथ व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की तैयारी कर रही है, जिसमें भारत भी शामिल है। ट्रम्प की धमकी के बाद ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डीसिल्वा ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है और दो-टूक शब्दों में कहा है कि ''दुनिया बदल गई है हमें कोई सम्राट नहीं चाहिए।'' ब्रिक्स आर्थिक दृष्टिकोण से दुनिया को संगठित करने का दूसरा तरीका खोज रहा है। यही कारण है कि ब्रिक्स ट्रम्प को असहज कर रहा है।

ब्रिक्स वैश्विक व्यापार में अमेरिकी डॉलर का विकल्प ढूंढ रहा है। चीन ने भी ट्रम्प की धमकी पर संतुलित प्रतिक्रिया व्यक्त की है लेकिन अन्य देशों ने ट्रम्प का विरोध किया है। फरवरी में ट्रम्प ने चेतावनी दी थी कि अगर ब्रिक्स अमेरिकी डॉलर की भूमिका को कम करने की कोशिश करेगा तो उन्हें 100 प्रतिशत टैरिफ का सामना करना पड़ेगा। ट्रम्प की धमकी का असर भारत पर भी पड़ेगा। अब सवाल यह है कि ट्रम्प ब्रिक्स को निशाना क्या बना रहे हैं। इस साल अमेरिकी करैंसी डॉलर की कीमत में तगड़ी ?गिरावट आई। अमेरिकी अर्थव्यस्था में सुस्ती के कारण ट्रम्प को लगता है कि हर कोई उसके खिलाफ साजिश कर रहा है। रियो घोषणापत्र में 'वैश्विक शासन में सुधार करने' से लेकर 'अंतर्राष्ट्रीय स्थिरता' पर बात की गई है। इसके साथ ही इसमें एकतरफा टैरिफ और नॉन-टैरिफ जैसे मुद्दों पर भी चर्चा की गई है। ऐसा माना जा रहा है कि घोषणापत्र में इसी मुद्दे को लेकर डोनाल्ड ट्रम्प ने टैरिफ लगाने की धमकी दी है। हालांकि घोषणा पत्र में अमेरिका का नाम नहीं लिया गया है। रियो घोषणा पत्र में कहा गया है कि ब्रिक्स राष्ट्र एकतरफा टैरिफ और नॉन-टैरिफ उपायों के बढ़ते इस्तेमाल पर गहरी चिंता व्यक्त करते हैं, ये उपाय व्यापार के तरीके को बिगाड़ रहे हैं और विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के मानदंडों का उल्लंघन करते हैं। इसके अलावा घोषणा पत्र में ये भी कहा गया है कि एकतरफा बलपूर्वक उपाय लागू करना अन्तर्राष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है और एकतरफा आर्थिक प्रतिबंध जैसी कार्रवाइयों का हानिकारक असर पड़ता है। बयान में डब्ल्यूटीओ के नियमों के अनुसार व्यापार की वकालत की गई है, साथ ही बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली की बात की गई है। ब्रिक्स समूह ऐसी बैंकिंग व्यवस्था की बात करता है जो डॉलर के समानांतर हो। यह भी एक कारण है कि ट्रम्प सख्त रुख अपनाए हुए है। ट्रम्प की धमकी भारत के लिए भी परेशानी का सबब बन सकती है और भरात ने भी ब्रिक्स घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं जिसमें अमेरिकी टैरिफ की आलोचना की गई है।

हालांकि ट्रम्प ने 14 देशों पर नए सिरे से टैरिफ का ऐलान करते हुए भारत-अमेरिका ट्रेड डील को लेकर कहा है कि वे भारत के साथ सौदे के करीब हैं। ट्रम्प ने नया टैरिफ लगाने की समय सीमा एक अगस्त तक बढ़ा दी है लेकिन अब भारत के पास 1 अगस्त तक का समय है। भारत चाहता है कि ये टैरिफ नहीं लगे लेकिन इसके लिए अमेरिका चाहता है कि भारत उसके कृषि और डेयरी उत्पादों को अपने बाजार में ज्यादा जगह दे। जानकार सूत्रों के मुताबिक भारत की ओर से अमेरिका के पेकान नट्स, ब्लूबेरी और कुछ अन्य कृषि उत्पादों पर शुल्क घटाने की पेशकश की गई है। पशुओं के चारे पर भी भारत कुछ छूट देने को तैयार है और साथ ही ऑटोमोबाइल और व कुछ औद्योगिक उत्पादों पर भी शुल्क में रियायत दे सकता है।

हालांकि अमेरिका चाहता है कि भारत उसके डेयरी उत्पादों, जेनेटिकली मॉडिफाइड यानी जीएम फसलों खास कर मक्का और सोयाबीन, सेब, बादाम, पिस्ता जैसे कृषि उत्पादों पर टैरिफ कम करे। जानकार सूत्रों का कहना है कि भारत मक्का, सोयाबीन या चावल, गेहूं जैसे अमेरिकी जीएम उत्पादों को कम शुल्क पर भारत में बेचने की इजाजत नहीं दे सकता है। इससे भारतीय किसानों के लिए अपने उत्पाद बेच पाना मुश्किल हो जाएगा। इसके बावजूद बताया जा रहा है कि अमेरिका से वार्ता चल रही है और एक मिनी ट्रेड डील की घोषणा जल्दी ही हो सकती है।

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0 -9511151254, E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

बंद पड़े मकान को अज्ञात चोरों ने बनाया निशाना, लाखों के जेवरात लेकर फरार

काकोरी क्षेत्र के घुरघुरी तालाब चौकी अंतर्गत घुरघुरी तालाब स्थित एक में बंद पड़े मकान को अज्ञात चोरों ने निशाना बनाया और लाखों के जेवरात सहित लाखों की नगदी चोरी कर ले गए। काकोरी के घुरघुरी तालाब निवासी शीला ने बताया कि बीते 7 जुलाई को घर के मेनगेट में ताला लगाकर अपने पैतृक गांव जनपद उन्नाव के पाया खेड़ा गई थी।घर से 8 जुलाई को जब वापस लौटी तो देखा कि मेनगेट का ताला टूटा हुआ था और अंदर जाकर देखा तो सारा सामान बिखरा पड़ा हुआ था अलमारी का लॉकर तोड़कर दो सोने की चेन, सोने की झुमकी, सोने का मंगलसूत्र, लाकेट मामा, एक जोड़ी पायल सहित। (डेढ़ लाख) 1 लाख 50 हजार नगदी चोरी कर ले गए। घटना को लेकर पीड़ित महिला ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस छानबीन में जुट गई। पीड़ित महिला ने काकोरी थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ तहरीर दी है।

डी0डी0ओ0 ने वि0 ख0 अमावा में वृक्षारोपण कर अभियान का शुभारंभ किया

रायबरेली, वृहद वृक्षारोपण महाअभियान 2025 के अन्तर्गत विकास खण्ड अमावां की ग्राम पंचायत बूढ़नपुर में निर्मित मनरेगा ग्राम वन में अरूण कुमार जिला विकास अधिकारी/ उपायुक्त (श्रम, रोजगार) द्वारा पौध रोपण कर ग्राम वन में वृक्षारोपण का शुभारम्भ किया गया। इस अवसर पर अरूण कुमार जिला विकास अधिकारी द्वारा बरगद के वृक्ष का रोपण किया गया। मौके पर उपस्थित समस्त मनरेगा श्रमिक, समूह की दीदीयों तथा सामुदायिक सहयोग से ग्राम वन में सहजन, आम, बकेन, आंवला, बरगद, अमरूद अर्जुन, अकरेशिया, कंजी आदि प्रजाति के कुल 600 वृक्ष रोपित किये गये। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी द्वारा समूह की दीदीयों व आवास के लाभार्थियों को 2-2 सहजन के वृक्षों का वितरण किया गया एवं वहां उपस्थित ग्रामवासियों को एक पेड़ मां के नाम रोपण हेतु दिये गये। मौके पर उपस्थित सन्दीप सिंह खण्ड विकास अधिकारी अमावां द्वारा बताया गया कि, अमावां में कुल 118986 वृक्षों का रोपण किया जा रहा है। जिसमें 03 ग्राम वन, 22 अमृत सरोवर, सहजन, पंचवटी, हरीशंकरी, बाल वाटिका, विद्यालयों में वृक्षारोपण के रूप में विभिन्न स्थलों पर वृक्षा रोपण कार्य किया जा रहा है तथा मुख्यमंत्री आवास योजना के 162 एवं प्रधानमंत्री आवास योजना के 650 लाभार्थियों तथा जीरो पावर्टी के गरीबतम परिवारों को 2-2 सहजन के वृक्ष रोपण हेतु दिये गये। मौके पर विकास खण्ड के समस्त अधिकारी / कर्मचारी, ग्राम पंचायत सचिव, ग्राम प्रधान, ग्राम रोजगार सेवक एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

वृक्षारोपण कर लगाया ट्री गार्ड जन अभियान को सफल

बनाने के लिए दिलाई शपथ

सीतापुर 9 जुलाई चंद्रभानु गुप्त कृषि स्नातकोत्तर महाविद्यालय में वन महोत्सव के अंतिम दिन आज 251 पौधों को आरोपित करके महाविद्यालय ने पर्यावरण को सुरक्षित और संरक्षित रखने का काम किया । महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ सत्येंद्र कुमार सिंह ने बताया कि महाविद्यालय में प्रत्येक वर्ष 500 से अधिक वृक्ष लगाए जाते हैं और इन्हें ट्री गार्ड से सुरक्षित भी किया जाता है। महा वृक्ष अभियान के तहत महाविद्यालय के प्रबंधक डॉ तेज प्रकाश सिंह, निदेशक प्रोफेसर योगेश शर्मा प्राचार्य, प्रो गजेंद्र सिंह, समन्वयक अधिकारी अजय सिंह भदौरिया, प्रशासनिक अधिकारी शिवमंगल चौरसिया, डॉ दीप्ति श्रीवास्तव, डॉ लल्लन प्रसाद यादव एवं डॉ जसकरन सहित सभी शिक्षकों एवं कर्मचारी ने एक-एक वृक्ष लगाया और शपथ ली कि हम स्वयं

बेदखली सूचना

मैं ज़ाहिद अली पुत्र रमजान अली निवासी मो० कमाल सराय थाना खैराबाद जनपद सीतापुर मेरे पुत्र मो० शकील पत्नी हुसना का चाल चलन ठीक ना होने के कारण मैंने अपने पुत्र शकील व उनकी पत्नी हुसना को अपनी समस्त चल व अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं।

मेरा व मेरे परिवार का शकील व उनकी पत्नी हुसना से आज के बाद कोई भी वास्ता व सरोकार नहीं रहेगा।

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ द्वारा की गई ऑफलाइन स्थानांतरण न किए जाने की मांग

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में 09 जुलाई, 2025 अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों का शासनादेश के अनुसार आफलाइन स्थानानन्तरण न किए जाने तथा 28 मार्च, 2005 के पूर्व विज्ञापित पदों पर 01 अप्रैल, 2005 के पश्चात नियुक्त अवशेष शिक्षकों को पुरानी पेशन से आच्छादित किए जाने की मांग को लेकर दिनांक 11 जुलाई, 2025 को प्रातः 11 बजे से शिक्षा निदेशक (माध्यमिक) के 18 पार्क रोड, लखनऊ स्थित शिविर कार्यालय में उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष सुरेश कुमार त्रिपाठी की अध्यक्षता में धरना होगा। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रादेशिक उपाध्यक्ष एवं प्रवक्ता डा0 आर0पी0 मिश्र तथा महामंत्री नरेन्द्र कुमार वर्मा ने बताया कि आफलाइन स्थानान्तरण के लिए शासनादेश दिनांक 07 जून, 2025 के अनुसार शिक्षा निदेशालय में दिनांक 06 जून, 2025 तक प्राप्त आवेदनों पर आफलाइन स्थानान्तरण किए जाने की स्पष्ट व्यवस्था है। शासनादेश में यह भी व्यवस्था थी कि स्थानान्तरण की सम्पूर्ण प्रक्रिया 27.06.2025 तक प्रत्येक दशा मे पूर्ण हो जाएगी किन्तु अभी तक आफलाइन स्थानान्तरण नही किए गए है। इसी के साथ 28 मार्च, 2005 के पूर्व विज्ञापित पदों पर 01 अप्रैल, 2005 के पश्चात नियुक्त शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को 31 मार्च, 2025 तक पुरानी पेंशन योजना से आच्छादित किया जाना था किन्तु निर्धारित अवधि में आपत्तियों के निराकरण के पश्चात भी सैकड़ों प्रकरण अभी तक लम्बित है जिससे प्रदेश के शिक्षकों में आक्रोश व्याप्त है। इसीलिए संगठन को संघर्ष के लिए बाध्य

होना पड़ रहा है। धरने में प्रमुख रूप से प्रदेश अध्यक्ष सुरेश कुमार त्रिपाठी, नेता शिक्षक दल ध्रुव कुमार त्रिपाठी, एम0 एल0सी0, महामंत्री नरेन्द्र कुमार वर्मा, संरक्षक एवं पूर्व एम.एल.सी. जगवीर किशोर जैन, हेम सिंह पुण्डीर, सुभाष चन्द्र शर्मा, पूर्व महामंत्री इन्द्रासन सिंह, पूर्व एम0एल0सी0 प्रमोद कुमार मिश्र सहित प्रदेश के कार्यकारिणी के पदाधिकारी, विभिन्न समितियों के सदस्यगण, मण्डलीय पदाधिकारी एवं जनपदीय पदाधिकारी तथा सक्रिय कार्यकर्ता सम्मिलित होगें।

मजदूर का गांव के किनारे संदिग्ध अवस्था में शव मिलने से मचा हड़कंप

स्वतंत्र प्रभात

महराजगंज/रायबरेली कोतवाली क्षेत्र के कुसुढ़ी सागरपुर गांव में उस समय मातम पसर गया, जबकि खेतों से धान की रोपाई करके घर वापस लौट रहे मजदूरों ने गांव के बाहर बाग के पास खेत के किनारे संदिग्ध अवस्था में एक व्यक्ति का शव पड़ा देखा। आनन-फानन मजदूरों ने इसकी सूचना परिजनों को दी, मौके पर पहुंचे परिजन तत्काल स्थानीय पुलिस के दूरभाष नंबर पर घटना की जानकारी दी। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर मौका मुवाइना किया, लोगों से पूछताछ के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

आपको बता दें कि, घटना महराजगंज कोतवाली क्षेत्र के कुसुढ़ी सागरपुर गांव में बीते मंगलवार को शाम 6:00 बजे के करीब गांव का ही रहने वाला रामबरन सिंह (44) पुत्र समर बहादुर सिंह घर वालों को खेतों का घार (मेंड़) बंद करने की बात कहकर निकाला था। जिसकी संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई। शाम लगभग 7:00 बजे जब खेतों में धान की रोपाई करके मजदूर उसी रास्ते से अपने घर वापस लौट रहे थे, तभी उन्हें गांव के बाहर एक बाग के किनारे स्थित खेतों के पास एक व्यक्ति पड़ा दिखाई दिया।

जब मजदूरों ने पास जाकर देखा, तो गांव का ही रामबरन सिंह था, जिसकी सांसें थम चुकी थी। यह देखकर मजदूरों में हड़कंप मच गया और इसकी सूचना आनन-खानन परिजनों को दी गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंचे परिजनों ने तत्काल घटना की जानकारी स्थानीय पुलिस को दी।

मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से जायजा लिया और लोगों से पूछताछ करी। तत्पश्चा शव को कब्जे में लेकर आज बुधवार की सुबह 6:00 के

करीब पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले में कोतवाली प्रभारी जगदीश यादव का कहना है कि, घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची थी, घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद लोगों से पूछताछ करी गई। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। प्रथम दृष्टया किसी जहरीले जंतु के काटने से मौत का होना प्रतीत हो रहा है, किंतु असली कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा।

जनपद न्यायालय प्रतापगढ़ में 20 जुलाई को होगा प्रदेश संघ का चुनाव, तैयारियां जोरों पर

स्वतंत्र प्रभात

प्रतापगढ़। अनजुमन हिमायत चपरासियान उत्तर प्रदेश के न्याय विभाग द्वारा एक अहम फैसला लिया गया है। 20 जुलाई 2025 को जनपद न्यायालय प्रतापगढ़ में प्रदेश संघ के चुनाव संपन्न कराए जाएंगे। इस संबंध में संगठन के प्रदेश अध्यक्ष श्री सुनील श्रीवास्तव की अध्यक्षता में गत 8 जून को जनपद न्यायालय मथुरा में एक महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई थी, जिसमें श्री बृज किशोर शर्मा की सहमति से यह निर्णय लिया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर यह तय किया गया कि आगामी चुनाव 20 जुलाई को प्रतापगढ़ में संपन्न होंगे। बैठक में प्रदेश कार्यकारिणी के तमाम सदस्यों की सहमति

और सहयोग से यह निर्णय लिया गया। इस बाबत प्रदेश महासचिव श्री श्याम सुंदर झा ने सभी संबंधित पदाधिकारियों से अपील की है कि वे उक्त तिथि को समय से उपस्थित होकर चुनाव प्रक्रिया में भाग लें। साथ ही यह भी आग्रह किया गया है कि उक्त चुनाव प्रक्रिया को सफल बनाने हेतु सभी मिलजुल कर कार्य करें। संघ के प्रांतीय अध्यक्ष से लेकर मंडल मंत्री, शाखा अध्यक्ष और न्यायालयीन प्रतिनिधियों तक सभी को सूचित किया गया है कि वे इस तिथि को गंभीरता से लेते हुए निर्वाचन प्रक्रिया में अपनी भूमिका निभाएं।

संघ ने जताया विश्वास संघ की ओर से जारी पत्र में उम्मीद जताई गई है कि यह चुनाव संगठन को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा और सभी प्रतिनिधि लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएंगे।

करंट लगने से युवक की हुई मौत घर में मचा कोहराम, सबमर्सिबल में हाथ पैर धोते समय हुआ हादसा, परिवार का इकलौता था सहारा

स्वतंत्र प्रभात

सीतापुर जनपद सीतापुर के इमलिया सुल्तानपुर थाना क्षेत्र के कपूरपुर गांव में बुधवार को एक दर्दनाक हादसे में 18 साल के युवक की करंट लगने से मौत हो गई गांव निवासी प्रवीण कुमार पुत्र रामखेलावन रोज की तरह खेतों में काम करने के बाद नल पर हाथ-पैर धो रहा था इसी दौरान नल में लगे समरसेबल मोटर में अचानक करंट उतर आया जिससे प्रवीण उसकी चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गया घटना के तुरंत बाद परिजनों ने उसे आनन-फानन में ऐलिया स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत की खबर सुनते ही परिजनों में कोहराम मच गया और गांव में शोक की लहर दौड़ गई सूचना मिलने पर काजीकमालपुर चौकी प्रभारी रामासारे चौधरी घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जांच की पुलिस ने मृतक के परिजनों से शव का पोस्टमार्टम कराने की बात कही, लेकिन उन्होंने साफ इनकार कर दिया परिजनों की सहमति के बाद पुलिस ने पंचायतनामा भरकर शव को सुपुर्द कर दिया स्थानीय लोगों का कहना है कि गांव में कई समरसेबल मोटर पुराने और खराब वायरिंग से जुड़े हुए हैं। जिससे इस तरह की घटनाओं

की आशंका बनी रहती है ग्रामीणों ने प्रशासन से विद्युत सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग की है प्रवीण कुमार अपने परिवार का एकमात्र सहारा था और उसकी असमय मौत ने सभी को स्तब्ध कर दिया है!!

निगोहां में पत्रकार संगठन का हुआ गठन पत्रकार हितों की होगी रक्षा

● .... विमल सिंह चौहान अध्यक्ष और वरिष्ठ पत्रकार मुकेश द्विवेदी संरक्षक मनोनीत।

स्वतंत्र प्रभात

निगोहां लखनऊ। पत्रकारिता को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है, लेकिन आज जब पत्रकारों को सामाजिक, प्रशासनिक और आर्थिक स्तर पर अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, ऐसे समय में निगोहां क्षेत्र में एक नई और सराहनीय पहल की गई है। क्षेत्र के पत्रकारों की एकजुटता, सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों की रक्षा के उद्देश्य से निगोहां में एक नए पत्रकार संगठन का गठन किया गया, जो स्थानीय पत्रकारों के हितों की आवाज़ बनेगा।इस संगठन की स्थापना रविवार को निगोहां कस्बे के प्रतिष्ठित क्लासिक रेस्टोरेंट में आयोजित एक बैठक के माध्यम से की गई, जिसमें क्षेत्र भर के वरिष्ठ एवं युवा पत्रकारों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार मुकेश द्विवेदी ने की, जिनका पत्रकारिता के क्षेत्र में वर्षों का अनुभव है और जो लंबे समय से पत्रकार एकता और निष्पक्ष मीडिया की पैरवी करते आ रहे हैं।बैठक में मौजूद सभी पत्रकारों ने इस बात पर सहमति जताई कि वर्तमान दौर में पत्रकारों को संगठित होना समय की सबसे बड़ी जरूरत है। आए दिन पत्रकारों को फील्ड में रिपोर्टिंग के दौरान उत्पीड़न, धमकी, मानसिक दबाव और कभी-कभी शारीरिक हमलों का भी सामना करना पड़ता है। ऐसे में एक मजबूत संगठन ही पत्रकारों की सुरक्षा और गरिमा की रक्षा कर सकता है।वरिष्ठ पत्रकार मुकेश द्विवेदी ने कहा पत्रकार लोकतंत्र के प्रहरी हैं, लेकिन जब प्रहरी ही असुरक्षित हो, तो लोकतंत्र कैसे मजबूत हो सकता है। यह संगठन पत्रकारों को न केवल एकजुट करेगा, बल्कि उनके अधिकारों और दायित्वों के प्रति भी उन्हें सजग बनाएगा।इस बैठक में सर्वसम्मति से संगठन की कार्यकारिणी का गठन किया गया।

पत्रकार विमल सिंह चौहान को संगठन का अध्यक्ष चुना गया, जबकि अन्य प्रमुख पदों पर भी निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ चयन किया गया। नवनियुक्त अध्यक्ष ने संगठन की प्राथमिकताओं को रेखांकित करते हुए कहा हमारा उद्देश्य केवल संगठन बनाना नहीं, बल्कि पत्रकारों की व्यावसायिक, सामाजिक और व्यक्तिगत समस्याओं के समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाना है। संगठन पत्रकारों को एक मंच देगा, जहां वे अपनी बात खुलकर रख सकेंगे और एक-दूसरे की ताकत बनेंगे बैठक के समापन पर सभी पत्रकारों ने सामूहिक रूप से निष्पक्ष, निर्भीक, तथ्यपूर्ण और जनहितैषी पत्रकारिता करने की शपथ ली। उन्होंने कहा कि यह संगठन किसी राजनीतिक या निजी स्वार्थ से प्रेरित नहीं है, बल्कि यह समाज और पत्रकारों के लिए एक जिम्मेदार मंच बनेगा।

इस बैठक में निगोहां और आसपास के क्षेत्रों से दो दर्जन से अधिक पत्रकारों ने भाग लिया, जिनमें प्रमुख रूप से प्रदीप द्विवेदी, उमेश गुप्ता, जयशंकर शुक्ला, ललित दीक्षित, रमाकांत मिश्रा, मोइन खान, मुकेश मिश्रा, प्रशांत त्रिवेदी, करन रावत, राघवेंद्र सिंह, उमेश शर्मा, सौरभ सिंह, शैलेंद्र शुक्ला, सुनील गुप्ता सहित कई पत्रकार शामिल रहे। इन सभी पत्रकारों ने इस पहल की सराहना की और संगठन को एक नई दिशा देने का भरोसा जताया।इस संगठन का गठन न केवल निगोहां क्षेत्र के पत्रकारों के लिए एक शुभ संकेत है, बल्कि यह पूरे जनपद के पत्रकारों को भी एक प्रेरणा देगा। पत्रकारों की सुरक्षा, सम्मान और जिम्मेदार पत्रकारिता के लिए यह संगठन आने वाले

ग्रामीण आय बढ़ाने की नई कोशिश 76 लाख पौधों का होगा रोपण, शीशम- सागौन को प्राथमिकता राज्यमंत्री ने की शुरुआत

स्वतंत्र प्रभात

सीतापुर जनपद सीतापुर में बुधवार को "एक पेड़ मां के नाम 2.0" थीम के अंतर्गत वृक्षारोपण महाअभियान की शुरुआत हुई कारागार राज्य मंत्री सुरेश राही ने आर्मी ग्राउंड में बनाए गए "अटल वन" में पौधरोपण कर अभियान का शुभारंभ किया। इस दौरान प्रमुख सचिव राजस्व पी. गुरु प्रसाद, डीएम अभिषेक आनंद, भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ला, सीडीओ निधि बंसल, वन विभाग के अधिकारी, पीएसी और आर्मी के अधिकारी भी मौजूद रहे वृक्षारोपण अभियान के तहत जिले में कुल 76 लाख पौधे रोपे जायेंगे अकेले आर्मी ग्राउंड स्थित अटल वन में लगभग आठ हजार पौधे विभिन्न प्रजातियों के लगाए गए है वन विभाग ने इस अभियान को ÷प्रकृति संग आर्थिकी÷ का रूप देते हुए किसानों की आर्थिक स्थिति सुधारने की दिशा में कदम बढ़ाया ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष रूप से शीशम और सागौन जैसे आर्थिक दृष्टि से उपयोगी पौधों को प्राथमिकता दी गई। जिले भर में शीशम के 14 लाख 7 हजार 417 और सागौन के 12 लाख 40 हजार 74 पौधे लगाए जाएंगे कार्यक्रम के दौरान मंत्री सुरेश राही ने कहा कि ÷धरती का तापमान लगातार बढ़ रहा है जिससे पर्यावरण असंतुलित हो रहा है हमारी सरकार इस संकट से निपटने के लिए व्यापक वृक्षारोपण अभियान चला रही है हम धरती को मां कहते हैं और उसकी रक्षा करना हमारा कर्तव्य है उन्होंने यह भी कहा कि ÷यदि किसानों की आय बढ़ानी है तो उन्हें सागौन और शीशम जैसे लाभकारी वृक्ष लगाने चाहिए वन विभाग के अनुसार, यह अभियान न सिर्फ पर्यावरण संतुलन की दिशा में एक बड़ा कदम है बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में भी सहायक सिद्ध होगा!!

कार्यालय ग्राम पंचायत बरहुआं, विकास खण्ड-दरियाबाद, बाराबंकी

पत्रांक मेमो / मनरेगा/ग्र0पं0-बरहुआं / सामग्री-आपूर्ति/निविदा-प्रकाश/दरि0/2025-26 10.07.2025

अल्पकालीन निविदा सूचना

विकास खण्ड दरियाबाद के अन्तर्गत ग्राम पंचायत बरहुआं बाराबंकी मे मनरेगा योजनान्तर्गत जनहित में निम्नलिखित कार्य कराया जाना है जिसके लिए संलग्न बिल आफ क्वान्टिटी के अनुसार सामग्री आपूर्ति हेतु जीएसटी पंजीकृत फर्म मालिक ठेकेदार/आपूर्तिकर्ताओं से स्वीकृत दरो के अधीन निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन सामान आपूर्ति की निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा फार्म सम्बन्धित ग्राम पंचायत कार्यालय से दिनांक 11.07.25 से 25.07.25 तक किसी भी कार्यदिवस मे निर्धारित धनराशि जमा करके प्राप्त किये जा सकते है। मोहरबन्द निविदायें दिनांक 25.07.25 को प्रातः 10 से 02 बजे अपरान्ह तक निविदा बाक्स मे डाली जायेगी तथा दिनांक 25.07.25 को ही सम्बन्धित ग्राम पंचायत कार्यालय / पंचायत भवन मे उपस्थित निविदाताओं के समक्ष ग्राम पंचायत की निविदा समिति के द्वारा समय 3:00 बजे खोली जायेगी।

क्र0 सं0	ग्राम पंचायत का नाम	कार्य का विवरण	कार्य की मात्रा	सामग्री की जीएसटी सहित लागत (रू0 लाख मे)	आपूर्ति ली जाने सामग्री का विवरण	धरोहर राशि (रू0 मे)	निविदा मूल्य	अवधि
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	बरहुआं	जावेद के घर से सी0सी0 रोड होते हुए स्कूल तक नाली व इण्टरलांकिग 3148012009/R C/9584862558 23668863	105× 2.84	7,91,576	गिटटी, मौरंग, सीमेन्ट, बालू, ईट, इण्टर लांकिग ईट, पत्थर गिटटी, ईट गिटटी इत्यादि	2 प्रतिशत	500	3 माह

1. धरोहर राशि का राष्ट्रीकृत बैंक/पोस्ट आफिस द्वारा निर्गत डिमाण्ड ड्राफ्ट/पे-आर्डर्स/प्रतिभूति प्रमाण जो पंचायत बरहुआं विकास खण्ड दरियाबाद के नाम बन्धक करते हुए निविदा फार्म के साथ संलग्न करना होगा।
2. आपूर्तिकर्ता को संलग्न बिल आफ क्वान्टिटी के अनुसार उपरोक्त वर्णित सामग्री की आपूर्ति सम्बन्धित सचिव / प्रधान तकनीकी सहायक/अवर अभियन्ता के द्वारा बताये गये निर्दिष्ट समय/स्थान पर सामग्री आपूर्ति करना होगा।
3. आपूर्ति की गयी सामग्री का मनरेगा योजनान्तर्गत धनराशि उपलब्ध होने पर ही नियमानुसार भुगतान की कार्यवाही की जायेगी, विलम्ब आदि के लिए कार्यादायी संस्था उत्तरदायी नही होगी।
4. जी0एस0टी0 पंजीकृत बिल ही मान्य होगा।
5. विभिन्न प्रकार के शासकीय करों के भुगतान का दायित्व आपूर्तिकर्ता का होगा।
6. आपूर्ति की गयी समाग्री की गुणवत्ता मानक के अनुरूप करने के उत्तरदायित्व आपूर्तिकर्ता होगा।
7. आपूर्ति की गयी सामग्री के भाडा/किराये का अलग से भुगतान देय नही होगा।
8. निविदा स्वीकृत होने पर सम्बन्धित फर्म मालिक ठेकेदार/आपूर्तिकर्ताओं से अनुबन्ध निष्पादित हो जाने पर पंचायत बरहुआं मे उपरोक्तानुसार/प्राक्कलित/स्वीकृत सामग्री सम्बन्धित सचिव/प्रधान/तकनीकी सहायक / अभियन्ता के निर्देशानुसार उनके द्वारा निर्दिष्ट समय/स्थान पर सामग्री आपूर्ति करने पर विफल रहने पर घरोहर जब्त करने का ग्राम पंचायत का होगा।
9. सामग्री आपूर्ति का बिना कराण बताये अनुबन्ध निरस्त करने का अधिकार सचिव/प्रधान/निविदा समिति बरहुआं मे निहित होगा।

तकनीकी सहायक	सचिव	प्रधान
ग्र0पं0-बरहुआं	ग्र0पं0-बरहुआं	ग्र0पं0-बरहुआं
दरियाबाद, बाराबंकी।	दरियाबाद, बाराबंकी।	दरियाबाद, बाराबंकी।

एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत मां सिद्धेश्वरी महाविद्यालय में हुआ वृक्षारोपण कार्यक्रम

● .....हिलौली ब्लॉक प्रमुख दिलीप कुमार दीक्षित ने किया शुभारंभ, 346 पौधों का रोपण.....

स्वतंत्र प्रभात

निगोहां। लखनऊ मां सिद्धेश्वरी महाविद्यालय, द्वारिका नगर तिसंधा में बुधवार को एक सराहनीय पहल के तहत "वृक्षारोपण 2025" अभियान के अंतर्गत "एक पेड़ माँ के नाम" कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने और मातृत्व की ममता को समर्पित था।कार्यक्रम की शुरुआत हिलौली ब्लॉक के प्रमुख एवं मुख्य अतिथि श्री दिलीप कुमार दीक्षित ने महाविद्यालय परिसर स्थित माता सिद्धिदात्री मंदिर प्रांगण में पीपल का पौधा रोपित कर की। इस अवसर पर महाविद्यालय परिसर में कुल 346 पौधों का रोपण किया गया। लगाए गए पौधों में शीशम, जामुन, नीम, आम, केसिया, अर्जुन, शहतूत एवं आंवला जैसी बहुउपयोगी व औषधीय प्रजातियाँ शामिल रहीं।मुख्य अतिथि श्री दीक्षित ने इस अभियान की सराहना करते हुए कहा,मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में पूरे प्रदेश में 37 करोड़ पौधे एक ही दिन में रोपित करने का लक्ष्य रखा गया है। इस दिशा में हिलौली ब्लॉक की सहभागिता अत्यंत सक्रिय एवं सराहनीय है।उन्होंने आगे कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक कर्तव्य है।इस अवसर पर महाविद्यालय व्यवस्थापक श्री अमित कुमार शुक्ला ने "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान की भावना को व्यक्त करते हुए कहा, जिस प्रकार माँ अपने बच्चों को nurtures करती हैं, जीवन देती हैं, उसी प्रकार पेड़ हमें ऑक्सीजन देकर जीवन प्रदान करते हैं। हर व्यक्ति को कम से कम एक पौधा अपनी माँ के नाम अवश्य लगाना चाहिए। पेड़ों का संरक्षण केवल पर्यावरण नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति और भविष्य की रक्षा है।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय गणमान्य नागरिकों, महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं, शिक्षकगण, एवं पंचायत प्रतिनिधियों की उपस्थिति रही। मुख्य रूप से पूर्व प्रधान गुजौली श्री राकेश कुमार मिश्रा, पूर्व प्रधान तिसंधा श्री छविनाथ, श्री अजय शुक्ला, पत्रकार दीपचंद्र मिश्रा एवं वीर प्रकाश जैसे

सम्मानित व्यक्तित्व उपस्थित रहे।इस अवसर पर श्री दिलीप दीक्षित जी ने उन्नाव के गौरव, पद्मश्री सम्मानित, साहित्य शिरोमणि एवं पूर्व विधानसभा अध्यक्ष श्री हृदय नारायण दीक्षित द्वारा रचित पुस्तकें 'भारतीय अनुभूति का विवेकानंद' एवं 'गीता का अंतर्गीत' महाविद्यालय को भेंट स्वरूप प्रदान कीं।महाविद्यालय परिवार की ओर से श्री दीक्षित को सम्मान स्वरूप "अपराजिता" पौधा भेंट कर कृतज्ञता व्यक्त की गई। इस आयोजन ने जहां एक ओर पर्यावरणीय चेतना का संदेश दिया, वहीं सामाजिक सरोकारों से जुड़ने का भी उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया।कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थितजनों ने वृक्षों की सुरक्षा और

संक्षिप्त खबरें

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने राया में किया चंदन कार्यक्रम का आयोजन

मथुरा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा राया के अम्बा प्रसाद विद्यालय में चंदन कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अलावा भाजपा कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ विभाग प्रचारक पारस पार्थ ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में ध्वज प्रणाम के साथ चंदन कार्यक्रम शुरू हुआ। जिसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शाखा में नए स्वयंसेवको का परिचय कार्यक्रम आयोजित किया गया। सहभोज के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस दौरान ब्लोक प्रमुख श्रीमती चंचल चौधरी, बिभाग प्रचारक पारस, विभाग सह विभाग कार्यवाह डॉ संजय, जिला प्रचारक, कुश अवतार, जिला कार्यवाहक अरुण, खण्ड संचालक डॉ धर्मेंद्र, मान सिंह, शंकरलाल, रायसिंह, देवीचरण,कपिल, कृपाल, सत्तपाल, शैलू मोहित, वेदप्रकाश, राजेश ब्रजमोहन, रघुराज, डॉ शिवदत्त, अखिल, भूपेश, राकेश शर्मा, चंचल चौधरी, डॉ अजीत, रन सिंह, मनोज शर्मा आदि कार्यकर्ता प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

बीएसए के प्राचार्य डॉ. ललित मोहन बने विश्व विद्यालय कार्य परिषद के सदस्य

मथुरा। बीएसए कॉलेज मथुरा के प्राचार्य प्रो. ललित मोहन शर्मा को डॉ. भीमराव आम्बेडकर विश्वविद्यालय आगरा की कार्यपरिषद् का सदस्य नामित किया गया है। महाविद्यालय प्राचार्य के डॉ. भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय आगरा के कार्य परिषद् सदस्य नामित होने पर सभी विभागाध्यक्ष , प्रोफेसर व कर्मचारियों ने अपनी- अपनी शुभकामनाएं दी है। सभी शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने आशा व्यक्त की प्रो- शर्मा के डॉ. भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय कार्य परिषद् में सम्मिलित होने पर महाविद्यालयों एवं छात्र-छात्राओं की विभिन्न समस्याओं का समाधान त्वरित गति से होगा। जिस प्रकार उनके द्वारा गत तीन वर्षों में बीएसए कॉलेजए मथुरा का सर्वांगीण विकास किया गया है उसी प्रकार विश्वविद्यालय विकास में भी उनकी भूमिका महत्वपूर्ण होगी। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रो. मधु त्यागी, प्रो.एसके कटारिया, प्रो. एसके सिंह, प्रो. शिवराज भारद्वाज, प्रो. खुशवन्त सिंह, प्रो. शिफाली भार्गव, प्रो. एपी सिंह, प्रो. एसके राय, प्रो. विद्योत्तमा, डॉ. जसवन्त सिंह ठाकुर, डॉ. संध्या अग्रवाल, डॉ. वीपी राय, डॉ. रवीश शर्मा, डॉ. बीके गोस्वामी, डॉ. यूके त्रिपाठी, डॉ. रेखा राय, डॉ. सुबोध अग्रवाल, गिर्राज किशोर यादव, नीरज कुमार सिंह, देवेन्द्र पाल, संजय द्विवेदी, अनुज कुमार शर्मा, गीतम सिंह, गोविन्द सैनी व मोहित गंगवार आदि उपस्थित रहे।

.तीन उर्वरक विक्रेताओं के लाइसेंस किए निलंबित

अलीगढ़। जिला कृषि अधिकारी धीरेन्द्र कुमार चौधरी द्वारा बुधवार को जवॉ एवं बरौली क्षेत्र में उर्वरकों की दुकानों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय मै0 शर्मा एग्रो ऐजेन्सी बरौली के द्वारा दुकान बन्द करके जाना, मै0 जय अम्बे खाद भण्डार, बरौली के द्वारा दुकान बन्द करके जाना एवं मै0 रघुवंशी खाद भण्डार, बरौली के फर्म सम्बन्धी अभिलेख अपूर्ण पाये गये। उक्त स्थिति के दृष्टिगत जिला रखते हुये जिला कृषि अधिकारी द्वारा उर्वरक नियत्रंण आदेश के तहत तत्काल प्रभाव से उक्त तीनों फर्म के उर्वरक प्राधिकार पत्र को निलम्बित करते हुये फर्म की बिक्री प्रतिबन्धित कर दी गयी। उन्होंने जिले के सभी थोक एवं फुटकर उर्वरक विक्रेताओं को सचेत किया है कि कृषकों को किसी भी प्रकार की टैगिंग व अधिक दर पर उर्वरक विक्रय करने की शिकायत संज्ञान में आने पर उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 एवं शासन द्वारा जारी दिशा निर्देशों व जिलाधिकारी द्वारा दिये गये निर्देशों के परिपालन में कठोर कार्यवाही अमल में लायी जायेगी, जिसके लिए उर्वरक विक्रेता स्वयं जिम्मेदार होगें। उन्होंने कृषकों से आव्हान किया कि यदि कोई उर्वरक विक्रेता टैगिंग या ओवर रेटिंग करता है तो सहकारिता (सहकारी समिति जिला सहायक निबन्धक मो0नं0-9412380994 व निजी उर्वरक विक्रेताओं के संबन्ध में शिकायत मो0 नं0-9504997660 एवं मो0नं0-9756475649 पर सूचित करें।

आज मुडिया मेला का आकर्षण चरम पर, मुडिया संतों की निकलेगी शोभायात्रा

● 469 वर्षों से सनातन गोस्वामी के गोलोक गमन पर अनुयायी शिष्यों द्वारा निभाई जा रही है परंपरा

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। मुडिया मेला गुरु शिष्य परंपरा का दुनियाभर में अनूठा उदाहरण है। शायद ही गुरू शिष्य परंपरा को समर्पित इतना विशाल आयोजन कहीं देखने को मिलता हो। गुरू पूर्णिमा के दिन सबसे ज्यादा भीड रहती है। ब्रज में यह पर्व उत्साह और धूमधाम से मनाया जाता है। इसी दिन शिष्य गुरु से गुरु दीक्षा ग्रहण करते हैं। गुरू गद्दी पर बैठेंगे और शिष्यों को दक्षिणा देंगे। ब्रज में इस समय जगह जगह भागवत कथा चल रही है। भागवताचार्यों के अनुयायी बहुतायत में हैं। गोवर्धन में यह मुड़िया मेला के नाम से प्रसिद्ध है। लम्बे समय से प्रशासन यह मानकर चल रहा है कि पांच दिवसीय मुड़िया मेला में एक करोड से अधिक श्रद्धालु गोवर्धन पहुंचते हैं और परिक्रमा करते हैं। हालांकि श्रद्धालुओं की गणना के लिए किसी सटीक वैज्ञानिक पद्धति का उपयोग नहीं हुआ है। मुड़िया पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा भी कहा जाता है। अब से 469 साल पहले सनातन गोस्वामी के गोलोक गमन में प्रवेश करने पर उनके अनुयाई शिष्यों ने सिर मुढाकर परिक्रमा लगाई थी। तभी से मुड़िया पूर्णिमा के नाम से जाना जाता है। मुड़िया मेला 04 जुलाई से शुरू हो गया है और 11 जुलाई तक चलेगा। मुड़िया शौभा यात्रा की तैयारियां पूरी हो गई हैं। 10 जुलाई को गुरूपूर्णिमा है, इसी दिन गोवर्धन में मुडिया संतों की शोभायात्रा निकलती है जो इस आयोजना का मुख्य आकर्षण है। चैतन्य महाप्रभु से प्रभावित होकर उन्होंने मंत्री पद त्याग दिया और वृंदावन आ गए। यहां चैतन्य महाप्रभु से दीक्षा प्राप्त कर वह गोवर्धन में मानसी गंगा के तट स्थित चक्लेश्वर मंदिर के निकट कुटी बनाकर रहने लगे। वे वृद्धावस्था में भी प्रतिदिन गिरिराज गोवर्धन की परिक्रमा किया करते थे। सनातन गोस्वामी का अब से 468 वर्ष पहले आषाढ़ पूर्णिमा संवत 1558 को निधन हो जाने पर उनके शिष्यों ने परंपरानुसार सिर मुड़वा कर सनातन गोस्वामी की अर्थी के साथ गाते बजाते हुए कीर्तन कर परिक्रमा लगाई। सनातन गोस्वामी के निर्वाण की तिथि शिष्यों के लिए पुण्यतिथि बन गई। अनुयाई शिष्य सिर मुंडन कराकर शोभा यात्रा निकालते हैं। इस बार 469 वीं मुड़िया शोभा यात्रा निकाली जाएगी। सनातन गोस्वामी पश्चिमी बंगाल के शासक हुसैन शाह के दरबार में मंत्री थे। चौतन्य महाप्रभु से प्रभावित होकर उन्होंने मंत्री पद त्याग दिया और वह वृंदावन आ गए। यहां चौतन्य महाप्रभु से दीक्षा प्राप्त कर, वह गोवर्धन में मानसी गंगा के तट स्थित चक्लेश्वर मंदिर के निकट कुटी बनाकर रहने लगे। वे वृद्धावस्था में भी प्रतिदिन गिरिराज गोवर्धन की परिक्रमा किया करते थे।

पुख्ता किये गये हैं सुरक्षा इंतजाम

राजकीय मुडिया पूर्णिमा मेला के लिए पुलिस व्यवस्था मजबूत की गई है। जिला प्रशासन ने करोडी मेला यानी एक करोड श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना मानते हुए तैयारियों को अंतिम रूप दिया है। दो हजार से अधिक पुलिसकर्मी, 400 400 होमगार्डस के अलावा पीएसी दो कम्पनी और एक कंपनी आरआरएफ की भी तैनात की गई है। सादा वर्दी में भी महिला और पुरूष पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे। विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी कस्बा गोवर्धन जनपद मथुरा में 469वां राजकीय मुड़िया पूर्णिमा मेला चार से 11 जुलाई तक परम्परागत रूप से मनाया जायेगा। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मथुरा के निर्देशन में मेला को सकुशल सम्पन्न कराये जाने के लिए अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण जनपद मथुरा को नोडल अधिकारी नामित करते हुए मेला सेल को गठित कर लिया गया है।

मेला क्षेत्र 09 सुपर जोन, 21 जोन, 62 सेक्टर में विभाजित

मेला क्षेत्र को 09 सुपर जोन, 21 जोन, 62 सेक्टर में विभाजित कर पुलिस बल का व्यवस्थापन किया गया है। 10 जिसमें अपर पुलिस अधीक्षक, 21 पुलिस उपाधीक्षक, निरीक्षक 106, पुरूष एसआई 523, महिला एसआई 57, पुरूष सिपाही 1925, महिला सिपाही 194, निरीक्षक एलआईयू एक, उप निरीक्षक एलआईयू छह, आरक्षी एलआईयू 36, रेडियो निरीक्षक दो, रेडियो उप निरीक्षक 14, प्रधान परिचालक यात्रिंक 18, प्रधान परिचालक सहायक परिचालक 50, कर्मशाला कर्मचारी सन्देश वाहक पांच, स्टैटिक मोबाइल 35, हैण्ड हेल्ड सैट 230, पीएसी दो कम्पनी, पीएसी फ्लड दो प्लाटून, आरआरएफ एक कम्पनी, एसडीआरएफ की एक टीम के अलावा 400 होमगार्डस की ड्यूटी लगाई गयी है। पुलिस बल को मेले के विभिन्न ड्यूटी स्थानों पर व्यवस्थापित किया गया है।

फ्लड टीमें तैनात हैं

गोवर्धन कस्बा में स्थित राधा कुंड ,कुसुम सरोवर तथा मानसी गंगा में फ्लड पुलिस बल की टीमों के द्वारा निरंतर रिवर पेट्रोलिंग की जा रही है। यद्यपि मेला की अवधि में सुरक्षा की दृष्टिकोण से समस्त सरोवर की बैरिकेडिंग की गई है फिर भी बैरिकेटिंग को पार करके कोई गहरी सरोवर में स्नान हेतु न उतर जाए इसके लिए प्रशिक्षित डायवर्स की टोटल 09 टीम लगाई गई है जो की सभी सरोवर में गहरे पानी में स्नान हेतु लगातार रोक रही है तथा सभी से अनुरोध किया जा रहा है कि स्नान केवल प्रशासन द्वारा लगाए गए पवित्र मानसी गंगा के फव्हारो के जल में ही स्नान करें।

एक ही कमरे में फंदे पर लटके मिले दंपति के शव

● रात को नौकरी से घर आया था पति, सुबह हो गई घटना

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। फरह क्षेत्र के गांव मिर्जापुर ठाकरान में हुई दर्दनाक घटना से ग्रामीण सकते में हैं। एक ही कमरे में पति पत्नी के शव फंसी के फंदे पर लटके मिले। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची थाना फरह पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक दंपति अपने पीछे सात साल का बेटा और पांच साल की एक बेटी छोड गये हैं। घटना से गांव में हर किसी की आंखें नम हो गई। सीओ रिफाइनरी श्वेता वर्मा ने बताया के अभी तक की जांच में मामला घरेलू विवाद के चलते फंदा लगाकर जान देने का प्रतीत हो रहा है, बावजूद इसके परिजन तहरीर देंगे तो कार्रवाई की जाएगी। अर्जुन (30) की आठ वर्ष पूर्व गांव सनौरा निवासी सीमा (28) के साथ शादी हुई थी। आसपास के लोग मौके पर एकत्रित हो गए। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों शव को फंदे से उतारा और जांच शुरू कर दी। परिजनों का कहना है कि पति पत्नी के बीच में किसी प्रकार का विवाद नहीं था। अर्जुन पर सात वर्ष का बेटा उत्कर्ष और पांच वर्ष की पल्लवी बेटी है। बेटा उत्कर्ष ने बताया कि मंगलवार को की शाम पापा फरह होटल पर खाना खाकर आए थे इसी बात पर मम्मी पापा के बीच विवाद हुआ था। विवाद के बाद दोनों अपने कमरे मे चले गए थे। मृतक के बड़े भाई विष्णू ने बताया कि सुबह पांच बजे तक बाहर नहीं निकला तो हमने पशुओं को चारा डालने को मृतक को आवाज दी लेकिन कोई आवाज न आने पर कमरे का दरवाजा खोल कर देखा तो दोनों पंखे से साड़ी के फंदे पर लटके थे। फंदे पर लटके देख शोर मचाया तो ग्रामीणों की भीड़ लग गई। बेटा और बहु को फंदे पर लटका देख बुजुर्ग माता पिता की चीख-पुकार निकल गई। आसपास के लोग मौके पर एकत्रित हो गए।

और दोनों को शवों को के नीचे उतारा, सूचना पर मृतक अर्जुन के ससुरालीजन भी मौके पर पहुंच गए और दोनों पक्षों में करीब तीन घंटे तक पंचायत चलती रही,पंचायत की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंचकर दोनों शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। स्वजन का कहना है कि पति-पत्नी के बीच में किसी प्रकार का विवाद नहीं था। दोनों ने ऐसा क्यों किया, इसको सोचकर स्वजन भी सदमे में हैं। मौके पर पहुंची फॉरेंस्टिक टीम ने कमरे से तमंचा और रायफल भी बरामद किए। फरह थाना प्रभारी त्रिलोकी सिंह ने बताया कि प्रथमदृष्ट्या दोनों में आपसी कलह लग रहा है जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

वात्सल्य ग्राम में हुआ छात्र परिषद अलंकरण समारोह

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। वात्सल्य ग्राम स्थित कृष्णा ब्रह्मरतन विद्या मंदिर में पदम् भूषण विभूषित साध्वी ऋतंभरा के नेतृत्व में छात्र परिषद अलंकरण समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें छात्राओं ने भारतीय मूल्यों पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दिन। साध्वी ऋतंभरा ने छात्रों को उपाधियां वितरण करते हुए शैलेंदरी वार्ष्णेय को हेड गर्ल, गौरव बघेल को हेड बॉय, काजल ठाकुर को कल्चर, भूमिका सिंह को अनुशासन, हनी थापड़ को स्पोर्ट, गौरी को आकाश हाउस कैप्टन, सुनीता को पृथ्वी हाउस कैप्टन, अंजू को जल हाउस कैप्टन, भूमि को अग्नि हाउस कैप्टन, भूमिका को वायु का हाउस कैप्टन के दायित्वों से अलंकृत किया। साध्वी ऋतंभरा ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि बच्चे गमले के पौधे नहीं वल्कि वह धरती पर स्थापित वह पौधे हैं जिन्हें उनके माता पिता ने परिश्रम के पसीने से खींचा है। कोई व्यक्ति साधनों से बड़ा नहीं बनता, धनवान माता-पिता के बच्चे धन का दुरुपयोग करते हैं किंतु जो अभावग्रस्त होते हैं वह परिश्रमी होते हैं और परिश्रम करने से उनका स्वास्थ्य भी ठीक रहता है वह लक्ष्य को भी प्राप्त करते हैं। व्यक्ति कोई धन से अमीर नहीं होता यदि आप स्वस्थ हैं आनंदित हैं और अपने कर्तव्य के प्रति प्रतिबद्ध हैं तो आप अमीर हैं। ष्आमीर वह अमीर क्या जिसका दिल फकीर न हो फकीर वह फकीर क्या जिसका दिल आमीर ना होष् बच्चों के पांच तत्व पर आधारित कार्यक्रम की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि छात्र जीवन ही संस्कार सृजन करने का समय शहोता है आज का छात्र ही कल का नागरिक बनेगा। इसलिए छात्रों को संस्कारवान बनाकर उनके अंदर राष्ट्रभक्ति की भावना को जागना चाहिए क्योंकि छात्र ही देश का भविष्य. होता है। मुख्य अतिथि के रूप में पधारे पूर्व आईजी,एच.के. शर्मा जी ने कहा कि इस अनुशासित संस्कृतिक प्रस्तुति के लिए सभी बच्चे बधाई के पात्र हैं जिस लग्न के साथ विद्यार्थियों ने इस आयोजन में भाग लिया है इसी लग्न के साथ पदाधिकारी छात्रों को अपने दायित्व का निर्वहन करना चाहिए। कार्यक्रम में संजय भईया, स्वामी सत्य शील, राजेश कुमार पाण्डेय, साध्वी बहिनों की उपस्थिति रही संचालन पूजा श्रीवास्तव ने किया अंत में प्रधानार्या सीमा शर्मा ने आभार व्यक्त किया।

मुडिया मेला: गिरिराज तलहटी में उमड़ने लगा आस्था का सैलाब

● राधे राधे और गिरिराज प्रभु के जयघोष से गूंज उठी गिरिराज तलहटी

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। मुड़िया पूर्णिमा मेला में गिरिराज परिक्रमा के लिए श्रद्धा का सैलाब उमड़ रहा है। दानघाटी और मुकुट मुखारविंद मंदिर में गिरिराज महाराज की पूजा के उपरांत श्रद्धालु 21 किमी लंबी परिक्रमा शुरू कर रहे हैं। पूरे परिक्रमा मार्ग में मानव श्रृंखला बन गई। मृदंग मजीरों की थाप पर मठ मंदिरों में हरि नाम संकीर्तन जाप चल रहा है। पांच दिवसीय मेले और आस्था के कुंभ में लाखों श्रद्धालू मन्नत मांग रहे हैं। उत्तर भारत में मिनी कुंभ के नाम से विख्यात राजकीय मुड़िया पूर्णिमा पर गिरिराज परिक्रमा मार्ग आस्था और भक्ति से सराबोर नजर आया। बुधवार की रात लाखों श्रद्धालु भक्तों ने गिरिराज प्रभु की परिक्रमा लगाकर मनौती मांगी। गोवर्धन महाराज की शरण में आए सैलाब को आंकने के लिए सारे पैमाने भी असहाय साबित हुए। श्रद्धालुओं की भीड़ गोवर्धन पहुंचने लगी तो रात में परिक्रमा मार्ग में पैर रखने की भी जगह नहीं बची। मध्य रात 12 बजे तक लाखों श्रद्धालु परिक्रमा कर रहे थे। दानघाटी मंदिर, मुकुट मुखारविंद, जतीपुरा मुखारविंद मंदिर में भी श्रद्धालुओं की खासी भीड़ रही। रंग बिरंगी रोशनी से दमकते गिरिराज मंदिर भक्तों के आकर्षण के केंद्र बने रहे। दानघाटी मंदिर, मुकुट मुखारविंद मंदिर व जतीपुरा मुखारविंद मंदिर पर हुए दुग्धाभिषेक से गोवर्धन में आस्था का अलग रंग देखने को मिल रहा है। भीड़ की अधिकता के कारण तमाम भक्त दूध की जगह पैसे चढ़ाते नजर आए।

निजीकरण के विरोध में कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन

●सौंख रोड स्थित पंजाब नेशनल बैंक की शाखा पर किया एक दिन का सांकेतिक धरना

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। देश के दस केंद्रीय श्रमिक संगठनों तथा बैंक बीमा सहित सभी स्वतंत्र फेडरेशनों ने सरकार की मजदूर किसान एवं जन विरोधी नीतियों विशेष तौर पर देश के सार्वजनिक उपक्रमों को कमजोर करने, उनका विनिवेश कर निजीकरण करने के विरोध में देश भर के साथ आज मथुरा में सौंख रोड स्थित पंजाब नेशनल बैंक की मुख्य शाखा के गेट पर विभिन्न राष्ट्रीयकृत बैंक व बीमा कम्पनियों के कर्मचारियां ने सांकेतिक धरना दिया।

सरकार से निजीकरण का निर्णय वापस लेने की मांग की। प्रदर्शन की अध्यक्षता करते हुए यूपीबीईयू के जिलाध्यक्ष जितेन्द्र शर्मा व मंत्री जगमोहन ने बैंकों, बीमा कम्पनियों के विनिवेश और निजीकरण की नीति जिसके चलते लाखों रिक्त पदों पर भर्ती न करने की सरकार की नीति जिससे एक ओर तो देश के युवाओं को रोजगार उपलब्ध न कराने और दूसरी ओर बैंक व्यापार में बेतहाशा वृद्धि के बावजूद पर्याप्त स्टाफ न होने से समुचित ग्राहक सेवा न हो पाने पर सरकार की नीतियों का विरोध करते हुए आने वाले समय में आंदोलन की चेतावनी दी।

यतेंद्र गौतम ने केंद्र की नीतियों जैसे सरकार की निजीकरण, विनिवेश और ठेका प्रथा को बढ़ावा देने वाली नीतियों को जनता और श्रमिकों के हितों के खिलाफ बताया। हर्ष भाटिया ने बताया कि ये नीतियाँ संपत्ति को कुछ उद्योगपतियों के हाथों में सौंप रही हैं।

प्रदर्शन में शोभित वर्मा, सुरेंद्र कुमार शर्मा, सौरभ चौधरी, शैलेन्द्र गौतम, अमर सिंह, कपिल वर्मा, अभिषेक उपाध्याय, राजेश यादव, सुभाष, रंजन मिश्रा, शुचि शर्मा, ममता, शिप्रा, अमित कुमार, राजकुमार, राकेश कुमार, ग्रामीण बैंक राकेश कुमार, इंडियन बैंक अरविंद कुमार सिंह, फैसल अजीज, महेश शर्मा, भारत सिरोही, सौरभ चौधरी, दिनेश चतुर्वेदी, अरुण यादव, योगेंद्र महेश्वरी, महेश पाराशर, लोकेंद्र सिंह, देवेंद्र सिंह, प्रहलाद, रोहित भार्गव आदि उपस्थित थे। सभाध्यक्ष जितेंद्र शर्मा ने न्यायोचित मांगों को लेकर किये जा रहे आंदोलन की सफलता की कामना के साथ सभा और प्रदर्शन में शामिल साथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया। प्रदर्शन और सभा का संचालन जगमोहन शर्मा ने किया।

लाडपुर में 'मेड की रार' में अपनों का बहा दिया खून

●एक भाई की मौत, तीन भाइयों का चल रहा है अस्पताल में इलाज

●मारपीट में घायल हुई मृतक की पत्नी भी अस्पताल में भर्ती

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। गावों में खेत की मेड के पडोसी को भाई से भी ज्यादा माना जाता है। खेत की यही मेड कई बार खून की प्यासी हो जाती है। छता क्षेत्र के गांव लाडपुर में मेड की रार में फिर खून बहा है। एक ही कुनबा के दो पक्ष मेड काटने को लेकर आमने सामने आ गये। एक पक्ष ने घात लगाकर हमला कर दिया। जिसमें दूसरे पक्ष से एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि मृतक के तीन भाई और पत्नी घायल हुए हैं।

चारों घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद गांव में तनाव है। एहतियात के तौर पर गांव में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। घटना को अंजाम देकर आरोपी फरार हो गये। एसपी देहात ने बताया कि फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीम लगाई गयी हैं। घायल की स्थिति खतरे से बाहर है। गांव में तनाव को देखते हुए पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। जल्द ही फरार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। घटना में बुधवार सुबह करीब 10.30 बजे लाडपुर में मेड़ के विवाद को लेकर गोलियां चली। पदम पुत्र इन्दो उम्र 40 वर्ष को उसी के भतीजे शेरन पर गोली मारने का आरोप लगा है। मृतक के भाई तुलाराम, कल्लू उर्फ राजाराम, महेंद्र पुत्र इन्दो तथा मृतक पदम की पत्नी कमलेश को पुलिस ने छाता सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर पहुंचाया। यहां से सभी को मथुरा के सरकारी अस्पताल पर रेफर कर दिया गया है।

तुलाराम, पदम, कल्लू तथा महेंद्र आपस में चारों भाई हैं। शेरन पुत्र मानसिंह उनके रिश्ते में भतीजा लगता है। छाता कोतवाली पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। गंभीर रूप से घायल लोगों को मथुरा के सरकारी अस्पताल भिजवाकर इलाज करवाया जा रहा है।

नहाते वक्त पानी में डूबने से 14 वर्षीय बच्चे की मौत, मचा कोहराम

● देर शाम तक ग्रामीणों के मदद से शव के खोजबीन में जुटी रही परसामलिक पुलिस, नही मिला शव

स्वतंत्र प्रभात

रतनपुर/महराजगंज। परसामलिक थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत पड़ौली निवासी मुस्ताक पुत्र कलामुद्दीन (14) बुधवार की शाम करीब चार बजे पड़ौली स्थित सुलिअहवा कर्बला के पास कुलावे में नहा रहा था। उक्त कुलावा नेपाल सीमावर्ती गांव के बरवा से होते हुए जंगल के पास महाव नाले को जोड़ता है। कुलावे में पानी का बहाव इतना तेज था कि पानी के बहाव में आने से मुस्ताक डूब गया। पानी में डूबता देख कुछ युवक बचाने का प्रयास किए लेकिन बहाव तेज होने के कारण मुस्ताक को नहीं बचा पाए और वह डूब गया। युवकों ने गांव में इसकी सूचना दी। सूचना पाकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और खोजबीन करना शुरू कर दिया लेकिन कहीं शव का पता नहीं चला। वहीं सूचना पाकर मौके पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने स्थानीय लोगों के मदद से बच्चे की खोजबीन में जुटी रही लेकिन देर शाम तक कहीं शव का अता-पता नहीं चला। मौके पर पुलिस व मछुआरों द्वारा करीब दो किलोमीटर गजगड़हा नाले तक जगह-जगह जाल लगाकर तलाश किया जा रहा है लेकिन देर शाम तक कहीं कोई सुराग नहीं मिला। वहीं पुलिस व स्थानीय लोगों द्वारा लगातार खोजबीन किया जा रहा है। चौदह वर्षीय मुस्ताक तीन भाइयों में सबसे बड़ा था। मुस्ताक के डूबने से छोटा भाई मुस्तकीम (8) व मुस्तफा (4) का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं घटना के दौरान मृतक मुस्तकीम के पिता कलामुद्दीन अपनी पत्नी नाजमा खातून के साथ अपने ससुराल सिद्धार्थनगर जिले के ग्राम इटवा गए थे। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में दुख का पहाड़ टूट पड़ा और माता-पिता रोते-बिलखते हुए पड़ौली के लिए निकल पड़े। वहीं घटना के बाद पूरे गांव में मातम का माहौल है। घटना के बाद मृतक के भाई मुस्तकीम, मुस्तफा पिता कलामुद्दीन व माता नाजमा खातून का रो-रोकर बुरा हाल है।इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक योगेन्द्र कुमार राय ने बताया कि नहाते वक्त एक बच्चे को पानी में डूबने की सूचना पर खोजबीन किया जा रहा है। उन्होंने बताया देर शाम तक काफी खोजबीन किया गया है लेकिन कहीं शव का पता नहीं चला।

जयगुरुदेव मंदिर पर गुरु पूर्णिमा मेला में जुटी भीड

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। जयगुरुदेव नाम योग साधना मन्दिर पर चल रहे गुरुपूर्णिमा सत्संग मेला में अनुयाईयों की भीड लगातार बढ रही है।

बुधवार को मेला के दूसरे दिन राष्ट्रीय उपदेशक सतीश चन्द और बाबूराम ने गुरु महिमा और सृष्टि की रचना पर प्रकाश डाला। सतीश चन्द ने कहा कि महापुरुषों ने सृष्टि की रचना के बारे में विस्तार से बताया है।

धरती बनने के बाद मानव कैसे आ गये? कौन आपको यहां लाया और जीव कैसे यहां पर फंस गये? आपको अपना इतिहास जानना चाहिये, यदि अपना इतिहास नहीं जानोगे तो जीवन व्यर्थ चला जायेगा। जीवों के आने की जानकारी और समझ महापुरुषों के सत्संग से आती है। धरती पर ब्रह्मा को आदि गुरु कहा गया है।

जो लोग उनसे शिक्षा लिये वे ऋषि, मुनि बन गये। वेदों के श्लोक ब्रह्मा की वाणी है जिसमें पाप-पुण्य का विधान है। पाप पुण्य के कारण धीरे-धीरे जीवात्मा की आंखों के ऊपर कर्मो की गन्दगी का पहाड़ जमा हो गया और जीव कर्म बंधन में फंस गया।

भौतिक विद्या वाले इस बात को नहीं मानते हैं। आज सबका रुझान भोगों की तरफ चला गया है। लोगों का खान-पान दूषित हो गया। भोग, भोगते-भोगते बीमार हो गये हैं। भोग, रोग लेकर आता है इसलिये परहेज और योग करें। सुरत को शब्द के साथ जोड़ें। शब्द से कर्मो की गंदगी साफ

होती है। सभी जीवात्मायें सतनाम बंशी हैं। सतलोक में कोई कर्म नहीं है।

सतलोक की महिमा का वर्णन नहीं किया जा सकता है। गीता में कृष्ण ने अर्जुन से कहा कि मैने गुण धर्म के आधार पर चार वर्ण बनायें।